दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 250/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2 ।10
संस्थापक- स्व। सुरेंद्र पटेल
■आर एन ।आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 15 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

श्रेयस अय्यर ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड, चैंपियंस ट्रॉफी में मचाया था धमाल

वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ का राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन

धार-झाबुआ में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज: सीएम

रतलाम। सीएम डॉ. मोहन यादव मंगलवार दोपहर को रतलाम पहुंचे। उन्होंने यहां सैलाना रोड स्थित विधायक सभागृह मेंअखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि धार और झाबुआ में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

इससे पहले स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। सीएम के साथ हेलिकॉप्टर में भोपाल से कैबिनेट मंत्री चैतन्य काश्यप भी साथ आए है। मंच पर मंत्री काश्यप, महापौर प्रहलाद पटेल समेत महासंघ के पदाधिकारी मौजूद है।

मंच पर स्थान नहीं मिलने से वापस लौटे रतलाम ग्रामीण विधायक- सभा के दौरान मंच पर स्थान नहीं मिलने से नाराज होकर रतलाम ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामोर नाराज होकर लौट गए।

धार-झाबुआ में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज- मुख्यमंत्री- संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि धार और झाबुआ में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि दो साल से कम समय में वनवासी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे।

बड़ी संख्या महिलाएं पहुंची

सीएम के आने से पहले मंच पर महासंघ के पदाधिकारियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। इसके लिए बड़ी संख्या महिलाएं पहुंची। सीएम के रतलाम आगमन और प्रस्थान के दौरान बंजली हवाई पट्टी से सैलाना बस स्टैंड के आसपास मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस ने नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया।

कई राज्यों के प्रतिनिधि हुए शामिल

वनवासी ग्रामीण मजदूर संघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ सैलाना रोड स्थित विधायक सभागृह में प्रदेश के सीएम ने किया। अधिवेशन में प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा के करीब 300 प्रतिनिधियों के साथ भारतीय मजदूर संघ से संबंधित संगठनों के करीब 3 हजार श्रमिक अधिवेशन में शामिल हुए है।

अधिवेशन में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी सुरेंद्रन मुख्य वक्ता है। संत भूरालाल महाराज पवन पंथ के पीठाधीश्वर भी शामिल होंगे। अध्यक्षता वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मथूर भाई मालिवाड़ कर रहे है।

कैबिनेट की बैठक आज, कई अहम प्रस्तावों को मिल सकती है मंजूरी

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज (मंगलवार को) मंत्रालय में कैबिनेट बैठक होगी। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। यह बैठक दोपहर तीन बजे मंत्रालय में होगी। कैबिनेट बैठक का केंद्रबिंदु किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी ऐतिहासिक योजना 'अन्नदाता मिशन' हो सकता है। अन्नदाता मिशन को लागू करने के लिए आज बैठक में एजेंडा रखा जाएगा। यह मिशन राज्य के किसानों को आत्मनिर्भर और समर्थ बनाने की दिशा में सरकार का बड़ा कदम माना जा रहा है। योजना में किसानों से जुड़ी सभी योजनाओं की क्रियान्वयन के लिए विभागीय अधिकारियों की समिति बनाई जाएगी। फसल बीमा योजना को और प्रभावशाली बनाने के लिए नई पहल और प्रावधानों पर चर्चा। राज्य की सिंचाई क्षमता में वृद्धि के लिए अतिरिक्त संसाधनों और योजनाओं का खाका। किसानों को सस्ती और समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नई रणनीति। कर्मचारियों से जुड़े मुद्दे भी बैठक में उठ सकते हैं, जिनमें वेतन, स्थानांतरण नीति और सेवा शर्तों से जुड़े विषय प्रमुख हो सकते हैं।

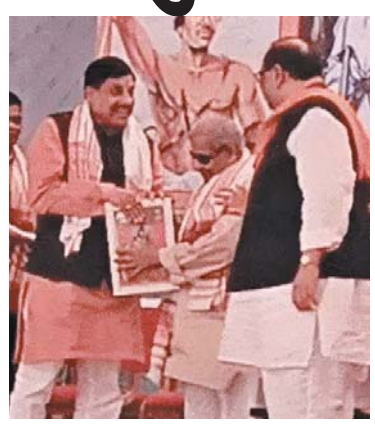

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को एसीईएस अवार्ड 2025 के अंतर्गत बेस्ट स्टेट फोर प्रमोशन आफ स्पोरटस का अवार्ड प्रदान किया गया। द हिंदू समाचार पत्र समूह की खेल पत्रिका स्पोर्ट्स स्टार की ओर से मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव को यह पुरस्कार पत्रिका के संपादक वी. वी. राजशेखर राव तथा नेशनल हेड सतीश मेंडन ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में प्रदान किया। इस मौके पर जनसंपर्क आयुक्त सुदाम खाड़े भी मौजूद रहे।

सांध्यप्रकाश विशेष

प्रण की वजह से 14 साल से नंगे पैर चल रहे रामपाल कश्यप को पीएम ने हाथ से जूते पहनाए !

हरियाणा के यमुनानगर में कैथल के रामपाल कश्यप को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके 14 साल पुराने संकल्प को पूरा करते हुए जूते पहनाए। रामपाल कश्यप ने तब तक नंगे पैर रहने का प्रण लिया था, जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन जाते। मोदी ने उन्हें जूते पहनाने के

बाद आशीर्वाद दिया और काम करने की प्रेरणा दी। खंड सीवन के गांव खेड़ी गुलाम अली के रामपाल कश्यप ने 14 साल पहले एक संकल्प लिया कि जब तक देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं बन जाती और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनते, तब तक वह नंगे पांव जीवन व्यतीत करेंगे। गर्मी, सर्दी, वर्षा और यहां तक कि अपने बेटे की शादी में भी उन्होंने जूते नहीं पहने।

यमुनानगर में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब उन्हें अपने हाथों से जूते पहनाए तब रामपाल कश्यप का संकल्प अपनी परिणति तक पहुंचा। प्रधानमंत्री जैसे ही रामपाल से मिले तो आगे बढ़ कर उनका स्वागत किया। हाथ मिलाया और बोले 'ऐसा क्यों कर दिया?' रामपाल ने उन्हें अपने प्रण के बारे में बताया तो मोदी ने कहा, आज हम आपको जूता पहना रहे हैं। आगे फिर कभी ऐसा नहीं करना है। काम करना चाहिए।

आईएएस अधिकारी आशीष सिंह ने सिंहस्थ मेला अधिकारी उज्जैन का कार्यभार ग्रहण किया

उज्जैन। इंदौर कलेक्टर भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2010 बैच के ढ्ढस्अधिकारी आशीष सिंह ने आज उज्जैन में सिंहस्थ मेला अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। राज्य

शासन ने कल ही उन्हें इंदौर कलेक्टर के साथ-साथ उज्जैन के मेला अधिकारी पद की अतिरिक्त जवाबदारी सौंपी है। आशीष सिंह सोमवार शाम उज्जैन पहुंचे। उज्जैन पहुंचकर श्री सिंह ने सर्वप्रथम श्री चिंतामण गणेश मंदिर में दर्शन किए।इंदौर कलेक्टर श्री सिंह ने श्री कालभैरव मंदिर,श्री हरसिद्धि मंदिर के भी दर्शन किए। इसके बाद श्री महाकाल मंदिर पहुंचकर पूजन किया और संध्या आरती में सम्मिलित हुए। इसके पश्चात इंदौर कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ मेला कार्यालय पहुंचकर मेला अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह को शासन के नवीन आदेशानुसार सिंहस्थ मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

कार्यभार ग्रहण कर श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे विकास कार्यों को समयावधि और गुणवत्ता पूर्वक सम्पन्न कराना पहली प्राथमिकता है। इसके पश्चात मेला अधिकारी श्री सिंह ने संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की।इसके पश्चात मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

वाराणसी गैंगरेप केस

पीएम मोदी की सख्ती के बाद बड़े पुलिस अफसर पर गिरी गाज, डीसीपी ऑफिस से हटाए गए

वाराणसी। वाराणसी में पिछले दिनों 19 साल की एक लड़की के साथ गैंगरेप मामले में बड़ा एक्शन हुआ है. सोमवार देर रात DCP वरुणा ज़ोन चंद्रकांत मीणा को हटा दिया गया. डीसीपी मीणा को डीजीपी ऑफिस अटैच कर दिया गया है. माना जा रहा है कि शुरुआती जांच में उनके यहां से लापरवाही हुई है. बता दें कि पीएम मोदी गैंगरेप मामले में जांच को लेकर लगातार पल-पल का अपडेट ले रहे हैं. 11 अप्रैल को जब वह वाराणसी दौरे पर पहुंचे तो एयरपोर्ट पर उन्होंने गैंगरेप मामले में की गई कार्रवाई को लेकर पूरा अपडेट लिया था.

पीएम नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर काशी के मंडल कमिश्नर कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, और जिलाधिकारी एस राजलिंगम से पूछा था कि मामले में कार्रवाई कहां तक पहुंची. इसके साथ ही उन्होंने अफसरों से कहा था कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए. अब मामले में एक्शन शुरू हो गया है. DCP वरुणा ज़ोन चंद्रकांत मीणा को हटा दिया गया है.

बता दें कि वाराणसी में एक लड़की के साथ 29 मार्च से 3 अप्रैल तक 23 लोगों के गैंगरेप किए जाने का मामला सामने आया था. इसे लेकर थाने में शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी. जिसके बाद 13 आरोपियों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है. इसी गैंगरेप केस को लेकर पीएम ने सीनियर अफ़सरों से पूछताछ की थी.

मोदी ने अफसरों से लिया था जांच का अपडेट

पीएम मोदी 11 अप्रैल को वाराणसी दौरे पर पहुंचे थे. उस दौरान एयरपोर्ट पर ही पीएम मोदी ने काशी के तीन बड़े अफसरों से बातचीत कर गैंगरेप केस का अपडेट लिया था. पीएम ने उनसे पूछा था कि इस मामले में कार्रवाई कहां तक पहुंची. उन्होंने मामले में सख्त निर्देश भी अफसरों को दिए थे. जिसके बाद बड़े पुलिस अधिकारी पर एक्शन हुआ है. माना जा रहा है कि ये पीएम मोदी की सख्ती का ही असर है कि लापरवाही मामले में DCP वरुणा ज़ोन चंद्रकांत मीणा को हटा दिया गया है।

जमीन सौदे मामले में रॉबर्ट वाड्रा की ईडी के सामने पेशी, बोले-

जनता की आवाज दबाने की कोशिश

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और जानेमाने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदा मामले में दूसरी बार तलब किया है। समन के तहत वे मंगलवार सुबह ईडी दफ्तर पहुंचे। 56 वर्षीय वाड्रा सुरक्षाकर्मियों और मीडियाकर्मियों के साथ मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने आवास से एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित ईडी मुख्यालय तक करीब दो किलोमीटर पैदल चले। इस दौरान उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि यह कार्रवाई जनता की आवाज दबाने की कोशिश है। इससे पहले ईडी ने उन्हें समन कर 8 अप्रैल को पेश होने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज करेगी। इससे पहले संघीय जांच एजेंसी ने एक अन्य धन शोधन मामले में वाड्रा से पूछताछ की थी।

ईडी का बड़ा एक्शन

7.5 करोड़ रुपये में खरीदी जमीन, 58 करोड़ रुपये में बेची

राजनीति में आने की बात करते ही कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने वाड्रा को एक बार फिर समन जारी किया है। यह समन 8 अप्रैल को जांच एजेंसी के सामने पेश न होने पर भेजा गया है। मामला हरियाणा के गुरुग्राम में एक जमीन सौदे से जुड़ा है, जो साल 2008 में हुआ था। आरोप है कि वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने यह जमीन करीब 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी और कुछ ही समय बाद इसे ष्ठरुस्न को 58 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। इस भारी-भरकम मुनाफे को लेकर ईडी को शक है कि सौदे में वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। ईडी इस मामले में लंबे समय से जांच कर रही है और अब दोबारा समन जारी कर वाड्रा को पेश होने के लिए कहा गया है।

राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की पत्रकार वार्ता

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद माननीय दिग्विजय सिंहभोपाल के टीटी नगर पुलिस थाने पहुंचे, जहाँ वे देश की एकता और अखंडता बिगाड़ने वाले एक गंभीर मामले में एफआईआर दर्ज़ कराई।

पंचायत ग्रामीण एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल के संचालक मंडल की बैठक आज मंत्रालय में आयोजित की गई जिसमें समस्त अधिकारियों की मौजूदगी में कई महत्व निर्णय लिए गए।

तीन दिन की छुट्टी के बाद झूमकर खुला शेयर बाजार

सेंसेक्स 1700 अंक उछला, निफ्टी में भी तेजी

मुंबई। वैश्विक आशावाद और व्यापार तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ खुले। यह तेजी अमेरिकी सरकार के हालिया बयानों और टैरिफ पर रोक से जुड़ी कार्रवाइयों के बाद आई। टैरिफ में संभावित राहत के संकेत के बीच निफ्टी 50 इंडेक्स 539.80 अंक या 2.36 फीसदी से अधिक उछलकर 23,368.35 अंक पर खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स 1,679.20 अंक या 2.23 फीसदी बढ़कर 76,836.46 अंक पर खुला।

बाजार की धारणा में सुधार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में और अधिक व्यापार रियायतों के एलान के संकेतों से बाजार की धारणा में सुधार हुआ।

बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने बताया कि भारतीय बाजार आज सकारात्मकता देखने के लिए दृढ़ हैं। ट्रंप टैरिफ टैंट्रम्स का सबसे बुरा दौर शायद खत्म हो गया है। कम से कम 90 दिनों के लिए तो ऐसा ही है।

ट्रंप के टैरिफ में रियायत का असर

अमेरिकी सीमा शुल्क ने हाल ही में सेमीकंडक्टर सहित प्रमुख उपभोक्ता और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स पर अस्थायी टैरिफ छूट की घोषणा की है। रविवार को अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने स्पष्ट किया कि राहत अस्थायी है। ट्रंप ने एक पोस्ट में यह भी पुष्टि की कि ये उपाय अल्पकालिक हैं। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह नए सेमीकंडक्टर टैरिफ की घोषणा की जा सकती है।

वैश्विक बाजारों में भी हरियाली

वैश्विक बाजारों ने भी इन घटनाक्रमों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सोमवार को एशियाई, यूरोपीय और अमेरिकी बाजार सभी उच्च स्तर पर बंद हुए। प्री-मार्केट ट्रेडिंग में यूएस बिग टेक कंपनियों ने 6 फीसदी से अधिक की बढ़त देखी। इस बीच भारतीय निवेशकों ने बाजार में विश्वास दिखाना जारी रखा। मार्च में नकदी की कमी के बावजूद भारतीय एसआईपी निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड में 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया, जिससे बाजारों को मजबूत समर्थन मिला। 11 अप्रैल को पिछले सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध विक्रेता थे, जिन्होंने 2,519 करोड़ रुपये निकाले, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) शुद्ध खरीदार बने रहे, जिन्होंने 3,759 करोड़ रुपये का निवेश किया।

खाद्य वस्तुओं के सस्ता होने से मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 % पर, यह चार महीने में सबसे कम

नई दिल्ली। मार्च महीने में थोक मूल्य आधारित महंगाई दर घटकर 2.05 प्रतिशत रह गई। फरवरी में यह 2.38 प्रतिशत थी। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों की कीमतों में धीमी गति से वृद्धि के कारण भारत की थोक मुद्रास्फीति मार्च में चार महीने के निचले स्तर पर आ गई। हालांकि, सालाना आधार पर थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। मार्च 2024 में थोक महंगाई दर 0.26 प्रतिशत थी।

उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷मार्च 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य वस्तुओं, बिजली और कपड़ा विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी के 3.38 प्रतिशत से घटकर मार्च में 1.57 प्रतिशत रह गई। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट आई। सब्जियों में अवस्फीति फरवरी के 5.80 प्रतिशत की तुलना में इस महीने 15.88 प्रतिशत रही।

हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की थोक महंगाई मार्च में बढ़कर 3.07 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में यह 2.86 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में भी वृद्धि देखी गई तथा मार्च में मुद्रास्फीति दर 0.20 प्रतिशत रही, जबकि फरवरी में अपस्फीति 0.71 प्रतिशत थी।

लोभम हित्व सुखी भवति

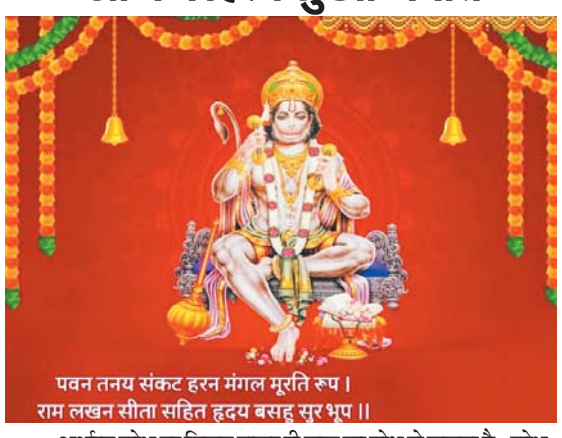

अर्थात्य लोभ पर विजय पाकर ही सुख का बोध हो सकता है...लोभ हमें भौतिक, बौध्दिक और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के सुखों से दूर कर देता है...दुर्योधन-दुशासन भी लालच के वशीभूत, असीम वैभव पाकर भी आनन्दमय जीवन न जी सके थे...इसलिए हमें लालच को हृदय से निकाल देना चाहिए, और यह, केवल त्याग की भावना को विकसित करके ही सम्भव है...जीवन में जब त्याग या दान की प्रबलता बढ़ेगी तो लोभ या लालच स्वतः पलायन कर जाएगा...हम जल से भरे गिलास को दूध से नहीं भर सकते, इसके लिए पहले गिलास को खाली करना होगा, फिर उसमें दूध भरा जा सकता है...इसी तरह, हमको जीवन के सुखों का आनंद लेने के लिए लोभ से छुटकारा पाना होगा और अपने हृदय को त्याग एवं बलिदान से सराबोर करना होगा.. अपने जीवन में लालच का परित्याग करना सीखिए, यही से जीवन में सुख का आभास होना शुरू हो जाएगा। आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

बाबा भीमराव अंबेडकर के जन्म उत्सव पर विशाल रैली निकाली

भोपाल। बाबा भीमराव अंबेडकर के जन्म उत्सव पर संयुक्त जयंती उत्सव कार्यक्रम ग्राम कलखेड़ा में चल समारोह वाहन रैली बी.आर. अम्बेडकर जनकल्याण समिति द्वारा निकाली यह वाली रैली भानपुर कंकाडिया से सिंकदराकद, मंगलिया बरखेड़ी, सूरज नगर होकर नीलबड़ से ग्राम कलखंडा विशाल जनसभा सांस्कृतिक कार्यकम मेधावी विद्याथीयों व बुजुगों का सम्मान किया यह जानकारी कार्यक्रम प्रमुख आयोजक हिंदू शेर रवि खरे ने दी उन्होंने बताया बहुजन स्ल राजू भारतीय जी सांस्कृतिक कलाकार कुमारी सुषमा सूर्यवंशी मांस्कृतिक कलाकार मुख्य / संरक्षक राहुल मारण जी ग्राम बरखेड़ी मुख्य अतिथि मा. कमलेश दोहरे जी संघ प्रिय एवं विशेष अतिथि मा. योगेश मान सिंह कुशवाह जी मा. राजेश जांगेड़े जी मा. इशरार खान जी मा. रामदयाल सिसोदिया जी मा. संजय गायकवाड़ जी वरिष्ठ समन्वय बोर्ड श्याम सिंह सरोनिया, मोहन सिहं ठेकेदार, प्रताप दोहरे, अंसार खान, अमानी लाल फरैया, कमल सरोनिया, राम सिंह सर्गनिया, डी.डी. दोहरे, पन्नालाल खुराना, धन्नालाल खुराना, मनोज दोहरे किराना, थान सिंह सनिया, रामस्वरूप खुगना, राजू जंगड़े, रघुवीर खुराना रामअवतार नरोलिया, महेश सरानिया, अमान सिलावट, कैलाश सूर्यवंशी, बलराम पटेल, देवीसिंह बामनिया, मिथुन अहिरवार, महेश फरैया सोनू सिलावट, राधेश्याम दोहरे, दीपक बाथम, गंजन सिलावट, गुलाब दोहरे, पर्वत दोहरे,व्यवस्था करनेवाला कलखेड़ा - आकाश सरोनिया, अखिलेश बामनिया, डॉ. मनोज डोहर, खुशीलला दोहरे, सुरेश बामनिया, बलराम बामनिया, अमित सुगना, अंकित प्रजापति, ओम प्रकाश खरे, दीपक सरोनिया, अजय सूर्सवंशी, अरूण सरोनिया, शैलेन्द्र सिलावट, विजय सिलावट, सुनील बाथम, दशरथ बामनिया, दुर्गाश खरे, पीटू मालवीय, अभिषेक कस्तवार, राकेश खुराना, दिव्यांश नरोलिया, अभिषेक सिलावट, विरेन्द्र खरे, विपिन दोहरे, अंशुल सिलावट, नरेश खरे, दीपक उनिया, विकास जागड़े, आर्यन सरोनिया, आदित्य सिलावट, दिनेश बामनिया, अंकित सिलावट, मनमोहन फरैया, संजय सरोनिया संजय सिलावट, रोहन खुराना, अरूण दोहरे, रोहित सूर्सवंशी, अनिल कस्तावार, करण दोहरे, लवकी सरोनिया, शिवा सरानिया तरूण दोहरे, सुशील सरोनिया, तरूण सरोनिया, लक्की दोहरे, हर्ष दोहरे मुगलिया मंडल मोनू जाटव, अर्जुन दोहरे, पवन जाटव, रेवा दोहरे, जगदीश जाटव, गंगाराम जाटव, बदरी प्रसाद जाटव, विनोद दोहरे, पवन दोहरे, राजू दोहरे, महेन्द्र जाटव, धनश्याम दोहरे, सचिन सिरोलिया, सोनू जाटव, प्रहलाद दोहरे, विजय जाटव, वि दोहरे, सूरज दोहरे, सूरज दोहरे भानपुर केकाडिया मण्डल दीपेश दोहरे, राजकुमार अहिरवार, इमरत सिलावट, मोहन दोहरे, सुभाष नरोलिया, करन दोहरे, सोनू दोहरे, संदीप दोहरे अमन खान, सलमान, भागीरथ चौहान, रामेश् कनास, विशराम डावर, अर्जुन चौहान, रवि जामरा सिकंदराबाद मंडल गंगाराम सूर्यवंशी, राम सिंह दंगोलिया, गुलाब केसरिया, राधेश्याम गोयल, रतनलाल, मंदनलाल पंडा जी, राजा जी, राजाराम, लक्ष्ण नारायण, जितेन्द्र अहिरवार, अशोक सूर्यवंशी, राजेश केसरिया, दशरथ राठौर, कम्मल सिंह, देवेन्द्र सिंह, तुलसी राम, सूर्यवंशी, मुख्य / संरक्षक राहुल मारण जी ग्राम बरखेड़ी

आयोजक - रवि खरे अध्यक्ष, धनश्याम दोहरे बी. आर. अम्बेडकर जनकल्याण समिति कलखेड़ा आदि

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का भव्य आयोजन एकता पार्क, राजहर्ष कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल में संपन्न

भोपाल। एकता पार्क, राजहर्ष कॉलोनी, कोलार रोड में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलोनी के समस्त नागरिक उपस्थित रहे और डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मेजर श्री जी.डी. आरक ने की। योगाचार्य श्री रवि द्विवेदी ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके सामाजिक संदेशों पर एक संक्षिप्त परंतु प्रेरणादायक भाषण दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री रविन्द्र यति एवं श्री गोलू मारन उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त श्री धोके जी, श्री मनोज पांडे, श्री एस.एस. सेंगर, श्री के.एम. श्रोत्रिय, डॉ. महेश शांडिल्य, श्री राजू पाटणकर, श्री बुंदेला, श्री राजेश मेश्राम सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

भेल में ओड़िआ नववर्ष पर सरबत वितरण किया गया

भोपाल । उत्कल सांस्कृतिक परिषद भेल भोपाल द्वारा महा विषुब पणा संक्रांति (ओड़िआ नवबर्ष) पर आयोजित सरबत (पणा) बितरण कार्यक्रम अति उत्साहपूर्वक मनाया गया, परिषद के सभी सदस्यों ने स्वागत अभिनंदन करते हुए बड़े उत्साह के साथ 8000 ग्लास सरबत यातायात लोगों को पिपलानी गुरुद्वारा चौराह पर बितरण किया। परिषद के महा सचिव निशान्त कुमार नन्दा ने कहा हर वर्ष की भांति इस बर्ष भी पना संक्रांति ओड़िआ नवबर्ष बड़े आनंद के साथ परिषद ने मनाया, इसी दिन को ओड़िआ नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है । इशी दिन पना बितरण करते हैं और नये वर्ष की स्वागत अभिनन्दन करते हैं। परिषद के महिलाएं बच्चें और सदस्य परिवार के रूप में सहयोग करते हैं। यहाँ कोई भेद भाव नही है, इसी महीना अप्रैल 19 को ÷उत्कल उत्सव÷ ८ठ्ठह्वद्ध स्रह्वठ्ठष्ह्वद्बश्ठ्ठ होना है जिसमे परिषद की और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत होगा और भोजन का आयोजन भी रहेगा । आज की कार्यक्रम में परिषद के महा सचिव निशान्त कुमार नन्दा, राजकुमार बारीक मुख्य प्रबंधक एचईटी एसबीआई बैंक, समीर साहू, बैद्यनाथ दास, विष्णु पंडा, प्रद्युम्न साहू, कपीलेंद्र महापात्र, प्रकाश साहू, दिलीप साहु, संजय साहू, ललित प्रधान, सौभाग्य साहू, मनोरंजन सेठी, सुब्रत दास, विजय महंत, पूर्ण चंद्र बिश्वाल, सुमंत साहू, शंकर प्रसाद मल्ल, सत्यब्रत मिश्र, दीपक बेहरा, संतोष बेहेरा, भजमन साहू, डॉ जे एन साहू, सत्यब्रत बेहरा, नारायण पंडा, कृतिवास बिश्वाल, प्रताप नायक, सनातन परिडा, संतोष साहू, संजय कुमार ब्यूरा, अक्षय परिडा, प्रताप नायक, बिस्वभूषण दास सहित परिषद के लगभग 150 सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

संस्कार वेलफेयर सोसाइटी ने किया समाज की 2 सौ से अधिक प्रतिभागियों का सम्मान

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। हर साल की तरह इस साल भी संस्कार वेलफेयर सोसाइटी द्वारा डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन सनसिटी गार्डन स्थित हाल पर हुआ यहां पर समाज के 200 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे जिन्होंने शिक्षा, खेल, संगीत, नाट्य मंचन जैसी विधाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित थे। जिन्होंने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। किशन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया और कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति और समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सिकरवारे ने बताया कि वर्ष 2013 से यह कार्यक्रम निरंतर आयोजित किया जा रहा है अब तक 5000 से अधिक प्रतिभागियों का सम्मान किया जा चुका है सम्मान समारोह कार्यक्रम में बीए, बीकॉम, बीटेक, बीसीए, एमसीए, पीएचडी, संगीत, नाटक मंचन जैसी विधाओं में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समिति के सचिव रमेश कुमार, समिति के पदाधिकारी राकेश वर्मा, राजेश, रवि, संजय, चरण सिंह, काशी प्रसाद, समिति के संस्थापक अवध नारायण जरेलिया, समिति के समस्त पदाधिकारी सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर ब्लॉक कांग्रेस ने किया याद

संत हिरदाराम नगर। देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती 12 नंबर स्थित वाल्मिकी मंदिर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनोखीलाल पटेल ने कहा कि बाबा साहेब ने देश के लिए एक ऐसा संविधान दिया जिसके जरिए हर जाती हर धर्म के लोगों को अपने मौलिक अधिकार प्राप्त हुए, इस अवसर पर पूर्व विधायक जीतेन्द्र डांगा ने कहा कि आज दुःख होता है जब सत्ता में बैठी पार्टी बाबा भीमराव अंबेडकर का किसी न किसी रूप में अपमान करती है यहां पर उपस्थित पार्षद एवं ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि सत्ता में बैठी पार्टी बाबा साहेब के बने हुए संविधान को बदलने का प्रयास करते रहते हैं पर वह भुल जाते हैं कि जनता उनके इस अपराध के लिए कभी उन्हें माफ नहीं करेगी। दिनेश मेघानी, जीतु बलवा, महेश गुरबानी, जगदीश सांवले ने भी बाबा साहेब को याद करते हुए उनके द्वारा बनाए हुए संविधान की रक्षा करने की बात कही। इस अवसर पर घनश्याम लालवानी, सोनु तोमर, विष्णु मारण, आत्माराम सूर्यवंशी, सुरेश सिंगरोली, जगदीश सांवले, राजू अहिरवार, धीरज गोस्वामी, राजकुमार धानुक बबलु टेकचंदानी, क्युम खान, राजेश लोहट सहित कई उपस्थित थे।

जाट समाज के प्रतिनिधियों ने जाट फिल्म की जमकर की तारीफ

भोपाल जाट समाज के प्रतिनिधियों ने जाट फिल्म देखी फिल्म की जमकर की तारीफ इस अवसर पर श्री लक्ष्मी नारायण जी गोरा अध्यक्ष वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन , श्री हरनारायण जाट माली पूर्व अध्यक्ष जाट सभा भोपाल, श्री संतोष जी ठाकुर पूर्व अध्यक्ष जाट सभा भोपाल , श्री मोहन सिंह जाट जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोपाल, श्री शिव कुमार जी पटेल पूर्व अध्यक्ष जाट समाज हरदा, श्री रामभरोस जी खेरवा,श्री कुबेर सिंह जाट, श्री चंदन सिंह जी जाट,श्री वीरेंद्र सिंह जाट, श्री राकेश वर्मा, श्री संजीव राणा, श्री सी पी सिंह चौहान आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष भोपाल, श्री कैलाश जाट, श्री तेज सिंह जाट, डॉ सुरेंद्र सिंह,श्री भूपेंद्र दलाल, श्री कैलाश जी टाडा, श्री नारायण जी बागड़िया, आदी भारी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे एवं मातृशक्ति भी भारी संख्या में उपस्थित थी

अब शाकाहार को लेकर चर्चा में आईएएस नियाज खान, सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ये विचार व्यक्त किए

भोपाल। हमेशा चर्चा में बने रहने वाले मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी नियाज खान एक बार फिर सुर्खियों हैं। नियाज खान ने सोशल मीडिया पर शाकाहार को लेकर एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने लिखा कि जो लोग शाकाहारी हैं, उन्हें अपने आप पर गर्व होना चाहिए। इससे पहले भी कई बार वे अपने अनोखे बयानों को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। सोशल मीडिया ङ्ग पर आईएएस अधिकारी ने पोस्ट करते हुए लिखा कि जो लोग शाकाहारी हैं उन्हें अपने आप पर गर्व होना चाहिए। जीवन में शाकाहारी होना उनकी सबसे बड़ी सफलता है। आप किसी जीव का खून नहीं बहाते क्या इससे बड़ी कोई बात हो सकती है? जो शाकाहारी बने उनका जीवन सफल हो गया। मेरे मन में शाकाहारी लोगों के प्रति अत्यधिक प्रेम है।

हमेशा चर्चा में रहे आईएएस नियाज खान: नियाज खान मूल रूप से छत्तीसगढ़ के निवासी है। वे 2015 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वह राज्य सेवा में प्रशासनिक अधिकारी थे। उन्हें प्रमोट कर आईएएस अफसर बनाया गया और मध्य प्रदेश कैडर दिया गया। नियाज खान 7 नॉवेल लिख चुके हैं। एक नॉवेल पर 'आश्रम' वेब सीरीज भी बनी, जिसका क्रेडिट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्माता के खिलाफ कोर्ट में केस भी दायर किया था। वे अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। उन्होंने 'ब्राह्मण द ग्रेट' किताब लिखकर सनातन धर्म और ब्राह्मणों को महान बताया था, जिस पर जमकर बवाल मचा था।

वे सबसे ज्यादा चर्चा में फ़िल्म 'द कश्मीर फाइल' पर टिप्पणी करके चर्चा में रहे हैं। नियाज खान ने इस फ़िल्म को लेकर ट्वीट किया था कि फिल्म के निर्देशकों को देशभर में मारे गए मुस्लिमों पर भी फ़िल्म बनाना चाहिए। बाद में उन्हें सरकार ने इस मुद्दे पर नोटिस भी दिया था।

कथक अश्वमेध- 2:नृत्य साधना के महायज्ञ का भोपाल बन रहा साक्षी

भोपाल। जब परंपरा, साधना और संस्कृति एक ही मंच पर एकत्र हों, तब वह आयोजन सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव का महायज्ञ बन जाता है। ऐसा ही अनुभव लेकर आ रहा है कथक अश्वमेध- सीज़न 2, जिसका भोपाल साक्षी बन रहा है। 15 से 17 अप्रैल, 2025 तक शहीद भवन, अरेरा हिल्स में आयोजित हो रहा कथक अश्वमेध- 2 नृत्य की दुनिया के उन तपस्वियों को समर्पित है, जिन्होंने अपनी कला को साधना बना दिया। कथक अश्वमेध- 2 की शुरुआत एक ऑनलाइन ऑडिशन प्रक्रिया से हुई थी, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों और अमेरिका, यूके सहित कई देशों से करीब 800 कलाकारों ने भाग लिया। नृत्य की इस वैश्विक सहभागिता से चयनित 30 प्रतिभागियों को अब भोपाल बुलाया गया है, जहाँ वे मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह तीन दिवसीय आयोजन हर दिन एक नई ऊर्जा, नया उद्देश्य और नया रंग लिए होगा। पहले दिन सेमीफाइनल राउंड होगा, जिसमें चयनित कलाकार अपनी साधना और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दूसरे दिन आयोजित होने वाले ग्रैंड फिनाले में निर्णायक मंडल के समक्ष उनकी प्रस्तुतियों का मूल्यांकन होगा। इसके बाद 17 अप्रैल को समापन समारोह में श्रेष्ठ तीन कलाकारों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इस दिन मंच पर कई वरिष्ठ गुरुजनों और संस्कृति सेवियों को भी उनकी सेवा के लिए आदरपूर्वक सम्मानित किया जाएगा। कथक अश्वमेध की खासियत यह है कि यह मंच किसी भी आयु वर्ग के कथक कलाकारों के लिए खुला है, जिससे यह अनुभव और उत्साह दोनों का संगम बनता है।

दो दिवसीय 8वीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

सम्मेलन रिलोकेशन उद्योग में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और सरकारी मान्यता जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित रहा

भोपाल। देश में रिलोकेशन (पैकर्स एंड मूवर्स) सेक्टर को संगठित रूप देने और इससे जुड़े उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एमएफआई) ने भोपाल के रैडिसन होटल में 13.14 अप्रैल को दो दिवसीय 8वीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। यह सम्मेलन रिलोकेशन उद्योग में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और सरकारी मान्यता जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित रहा। इस मौके पर देशभर से आए एमएफआई के सदस्य, जिनमें लक्ष्यदीप से लेकर जम्मू.कश्मीर, शिलांग से लेकर अहमदाबाद,मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली, लखनऊ, नागपुर, जयपुर, हैदराबाद, चंडीगढ़ जैसे शहरों की प्रमुख रिलोकेशन कंपनियों के ओनर्स शामिल रहे, जिन्होंने भागीदारी की और इस उद्योग की बदलती जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। कॉन्फ्रेंस में विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुईं मध्यप्रदेश सरकार की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने एमएफआई के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रिलोकेशन सेक्टर आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुका है।

मध्यप्रदेश सरकार के ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी मनीष सिंह ने इस अवसर पर बताया कि राज्य सरकार ट्रांसपोर्ट सेक्टर को संगठित करने और इससे जुड़ी चुनौतियों को दूर करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉजिस्टिक्स और सड़कों के क्षेत्र में चलाए जा रहे मिशन मोड में विकास योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले दशक में भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर दुनिया की नजरों में आया है, ऐसे में रिलोकेशन सेक्टर को संगठित करना बेहद आवश्यक है। एमएफआई का यह प्रयास सराहनीय है। फेडरेशन ने राज्य और केंद्र सरकार से मांग की है कि रिलोकेशन सेक्टर को भी अन्य उद्योगों की तरह इंडस्ट्री का दर्जा दिया जाए।

फेडरेशन का मानना हैकि इससेन केवल इस क्षेत्र की साख बढ़ेगीए बल्कि फ्रॉड और अनियमितताओं पर लगाम लगाई जा सकेगी। एमएफआई के चेयरपर्सन अजीत शर्मा ने कहा रोजाना हम ग्राहकों से धोखाधड़ी की शिकायतें सुनते हैं। कोई कार लेकर गायब हो गया, किसी के घर का सामान चोरी हो गया। अगर सरकार इस सेक्टर को इंडस्ट्री का दर्जा देती है, तो इसके लिए नियम.कानून तय होंगे और उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा। अध्यक्ष आलोक भार्गव ने कहा कि यह सेक्टर 25,000 से 40,000 करोड़ रुपये तक का है, लेकिन अब भी पूरी तरह असंगठित है। बिना किसी रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस के लोग कंपनियां चला रहे हैं, जो उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। सख्त नियमन समय की मांग है। सेक्रेटरी अनुप मिश्रा ने बताया कि एमएफआई की स्थापना 2017 में हुई थी और अब देश के 50 से ज्यादा शहरों में इसके सत्यापित सदस्य कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हम न केवल सदस्य कंपनियों का वेरिफिकेशन करते हैं, बल्कि समय.समय पर जागरूकता अभियान भी चलाते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को सही जानकारी मिल सके और वे ठगी से बच सकें। कॉन्फ्रेंस में इस बात पर भी जोर दिया गया कि रिलोकेशन कंपनियां नई तकनीकों का उपयोग करें, ग्राहकों को रीयल.टाइम ट्रैकिंग सुविधा दें, और अधिक से अधिक पर्यावरण.अनुकूल पैकेजिंग सामग्री अपनाएं । एमएफआई ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने स्टाफ को प्रशिक्षित करें, ईमानदार बिजनेस एथिक्स अपनाएं और कस्टमर एक्सपीरियंस को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी प्रतिनिधियों ने मिलकर यह संकल्प भी लिया कि एमएफआई के बैनर तले वे देशभर में फर्जी कंपनियों और स्कैम्स के खिलाफ अभियान चलाते रहेंगे। देश की आम जनता को जब भी रिलोकेशन की जरूरत हो, वह सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प चुने।

समूची जैन समाज के लिए आज का दिन हर्ष उल्हास उत्साह से भरा हुआ था मुनि प्रमाण सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में आकार ले रहा नवीन श्री आदिश्वर महावीर तीर्थ धाम जिन प्रतिमाओं को स्थापित किया गया वहीं दूसरी ओर पिपलानी जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान मुनि विमल सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में याग मंडल विधान का आयोजन किया गया, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया धार्मिक अनुष्ठान के साथ विधि विधान से 25 फीट बनी वेदिका पर लगभग 29 फीट की जिन प्रतिमाओं को विराज मान किया गया, तो श्रद्धालुओं में भगवान आदिनाथ महावीर के जयकारों से गूंजा। तीर्थ धाम का निर्माण न्यायमूर्ति अभय गोहिल परिवार के द्वारा किया जा रहा हे, अति शीघ्र ही पंच कल्याणक होंगे, मुनि प्रमाण सागर महाराज ने आशीष वचन में कहा नवीन तीर्थ धाम और जिनालय का निर्माण भारतीय संस्कृति और संस्कारों अनंत अनंत वर्षों तक सुरक्षित रखेगा आने वाली पीढ़ी भारतीय दर्शन और अध्यात्म को इससे ही समझेगी, इस अवसर पर परिवार के जस्टिस अभय गोहिल - श्रीमती विजय गोहिल, राकेश गोहिल श्रीमती अनिता गोहिल अनुराग गोहिल एडवोकेट - श्रीमती रुचिका गोहिल आर्यमान गोहिल, शरद गोहिल - परिवार के सदस्यों ने पूजा अर्चना की, वहीं दूसरी ओर श्री आदिनाथ जैन मंदिर पिपलानी में 50वां स्वर्ण जयंती समारोह और वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव मुनि विमल सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में हो रहा है प्रतिष्ठाचार्य अविनाश भैया के निर्देशन में इंद्र प्रतिष्ठा वेदी प्रतिष्ठा और वेदी शुद्धि संस्कार की क्रियाएं हुई प्रवक्ता अंशुल जैन के अनुसार चार दिवसीय अनुष्ठान में 16 अप्रैल बुधवार को नवीन वेदिका पर भगवान विराजमान के साथ स्वर्णमयी कलश का आरोहण होगा, मंदिर समिति के अध्यक्ष अरविंद पंत प्रदीप हरसोला राजू गोयल नितेश पंत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य अतीत के स्वर्णिम पृष्ठ का प्रकटीकरण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा को राष्ट्रपटल पर लाए हैं: केंद्रीय मंत्री सिंधिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश की राजधानी में लाल किले की प्राचीर पर ऐतिहासिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन उस युग को जीवंत करने का प्रयास है। यह विश्व में भारत द्वारा सुशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में कारगर रहेगा। फिल्मों के निर्माण और डिजिटल युग के बावजूद प्राचीन नाट्य परम्परा से परिचित करवाने वाले इस महानाट्य के अंश अविस्मरणीय रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नई दिल्ली में तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महानाट्य के कलाकारों का सम्मान भी किया गया। इसमें अनेक जनप्रतिनिधि, धर्म और आध्यात्म क्षेत्र की हस्तियां और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित थे।

विरासत से विकास के मंत्र पर हो रहा है कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास का मंत्र दिया है। वास्तव में वर्तमान काल अदभुत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं को प्रधान सेवक मानते हैं। आज भारत की गरिमा विश्व में निरंतर बढ़ रही है। एक समय था जब सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, वीरता और सुशासन के महत्व को स्थापित किया। सम्राट विक्रमादित्य के युग को पुन-महानाट्य के माध्यम से जीवंत किया गया है। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पक्षों को महानाट्य के माध्यम से आमजन सामने लाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ है।

नाट्य विधा प्राचीन विधा है, इसका आज भी है महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नाट्य विधा एक प्राचीन विधा है। आज के डिजिटल युग में भी इस विधा का महत्व बरकरार है। फिल्मों के निर्माण के साथ अनेक माध्यमों से कला और संस्कृति के दर्शन होते हैं लेकिन महानाट्य से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन काल को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह महानाट्य हमारे इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ और गौरवशाली अतीत से परिचय करवाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन के लिए आवश्यक समन्वय एवं सहयोग प्रदान करने के लिये दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया।

विशिष्ट अतिथियों का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माना आभार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली में महानाट्य के मंचन को देखने के लिए पधारे राज्य सभा के उप सभापति श्री हरवंश सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, स्वामी अचलानंद जी, मध्यप्रदेश के मंत्रीगण श्री राकेश सिंह, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, श्री नरेंद शिवाजी पटेल, दिल्ली सरकार के मंत्री श्री आशीष सूद का उपस्थिति के लिए आभार माना और संस्कृति मंत्रालय एवं विक्रमादित्य शोध पीठ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

केंदीय संचार मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि भारत के इतिहास के महान योद्धा और कुशल शासक सम्राट विक्रमादित्य की स्मृति में आयोजित महानाट्य के माध्यम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इनकी गौरवगाथा को राष्ट्रीय पटल पर लाने का श्रेष्ठ काम किया है। भविष्य में इसे विश्व पटल पर भी पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं भी सम्राट विक्रमादित्य के शासन की याद दिलाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस महानाट्य से भावनात्मक रूप से विगत 18 वर्षों से जुड़े हुए हैं। जब वे सम्राट विक्रमादित्य के पिताश्री की भूमिका निभाते आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विरासत और विकास को जोड़ने का प्रशंसनीय काम किया है। राज्यसभा उपसभापति हरिवंश ने कहा कि अतीत के प्रेरक प्रसंगों से भविष्य गढ़ने की ताकत और ऊर्जा मिलती है। वर्तमान युग भारत के पुनर्जागरण का युग है, ऐसे में इतिहास के गौरवशाली प्रसंग प्रेरणा देते हैं। सम्राट विक्रमादित्य के न्याय, धर्म, कला और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध शासनकाल को जनमानस की स्मृति में ताजा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव बधाई के पात्र हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के जीवन को महानाट्य रूप में प्रस्तुत करने का सौभाग्य दिल्ली को प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस अवसर के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दिल्लीवासियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकारें को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कृतियों का आदान-प्रदान कर शीर्ष पर ले जाने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियों को माला के मोतियों की तरह पिरो कर जनता तक पहुंचाने की शुरुआत की है।

कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद श्री वीडी शर्मा, आचार्य अचलानंद जी महाराज, गृह और ऊर्जा मंत्री दिल्ली शासन श्री आशीष सूद भी उपस्थित थे।

जल की हर बूंद में जीवन का सार, इसे सहेजने से ही दूर होगा भविष्य का जल संकट: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल की हर बूंद में जीवन का सार है। इसे सहेजने से ही जल संकट दूर होगा। इसी ध्येय से जनभागीदारी के साथ तीन माह का जल गंगा संवर्धन अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के शुरूआती दौर में ही मंत्री, सांसद, नगरीय एवं पंचायत प्रतिनिधियों के साथ अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक भी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे है। अभियान में जहाँ एक और पुराने जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, गहरीकरण और जीर्णोद्धार किया जा रहा है, वही वर्षा के जल को सहेजने के लिये नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। अभियान 30 जून तक जारी रहेगा।

शहडोल में तालाब का जीर्णोद्धार

शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं। जल की बूंद-बूंद को सहेजने के लिए गांव-गांव में कुएं, तालाब, कुण्ड और बावड़ी जैसी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जिले के गांव कुमारी में वर्षा जल को सहेजने के लिए गांव के तालाब की सफाई के साथ उसका गहरीकरण भी किया गया। इसी प्रकार गांव खाम्हीडोल में भी तालाब का जीर्णोद्धार किया गया।

छिंदवाड़ा में विद्यार्थियों ने श्रमदान कर की प्राचीन कुण्ड की सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान के जिले के गांव मऊ के नाले में के साफ-सफाई की गई। इसमें से गाद निकाल कर पानी को स्वच्छ किया गया। बीसएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों रीना, शशि बारांगे, पप्पू चौधरी बंदेवार, सुनीता काहर, महिमा साहू, पंकज गाडरे और सागर पवार के साथ ग्रामवासी ने श्रमदान कियाय् जन अभियान परिषद की पहल पर विद्यार्थियो ने पातालेश्वर धाम मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन जल कुंड से कूड़ा-करकट, पूजन सामग्री, वृक्ष के पत्ते निकालकर सफाई की।

उमरिया में जन सहयोग से पाली सगरा तालाब पर स्वच्छता अभियान

उमरिया में जल संरक्षण के लिए ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें नदियों, तालाबों, कुओं की साफ सफाई की जा रही है। इसी श्रृंखला में गांव सगरा के पाली तालाब में साफ सफाई की गई। जन अभियान परिषद, नगर विकास प्रस्फुटन समिति और नवांकुर संस्था ने आपसी सहयोग से जल संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए दीवार लेखन और जल चौपालों का भी आयोजन किया। जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता के लिए समेकित प्रयास आवश्यक हैं। उअभियान में नागरिकों की सोच बदलती दिखने लगा है। नई पीढ़ी भी जन भागीदारी कदम से कदम मिलाकर शामिल हो रही है।

जबलपुर में आयोजित लॉयस क्लब इंटरनेशनल के कॉन्फ्रेंस में लॉयन बाद के क्षेत्र में किए गए श्रेष्ठम कार्य हेतु आज राजीव शुक्ला को मंच के माध्यम से सम्मानित किया गया ।

बड़ी नदियों को बचाने सहायक नदियों को जिन्दा रखना होगा: प्रहलाद पटेल

नदियों के संगम को रौंदने की गलती मत करना, नदी को नहर मत बनने दो

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा है कि जहां उद्गम होता है, वहां ऊर्जा होती है और जहां नदियों का संगम होता है, वहां जीवन होता है। उसे रौंदने की गलती कभी मत करना। बड़ी नदियों को बचाना है, तो उसकी सहायक नदियों को जिन्दा रखना होगा। बेतवा के लिए सहायक नदियों को बचाना सबके लिए चुनौती का काम है।

मंत्री पटेल ने ये बातें सोमवार को विदिशा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रमों के दौरान कहीं। उन्होंने अलग-अलग गांवों में श्रमदान के दौरान लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। मंत्री पटेल ने इस दौरान कहा कि बड़ी नदी को बचाना है, तो छोटी नदियों का समृद्ध होना जरूरी है। उन्हें नाला या छोटी नदी न मानिए, क्योंकि वे बड़ी नदी के जीवन के लिए जरूरी हैं और उनकी धमनियां हैं। जैसे; बेतवा बड़ी नदी है,तो छोटी नदियां उसकी धमनियां हैं। उन्होंने कहा कि किसी नदी के उद्गम को समृद्ध करने के लिए जो चीज होनी चाहिए, वह प्राकृतिक रूप से यहां पर है। नदी व नहर का जो अंतर है, वह यह है कि नदी अपने आप में समृद्ध होती है। नदी को नहर मत बनने दो।

मंत्री पटेल ने अभियान के अंतर्गत आज जनपद पंचायत गंजबासौदा के चक्क हिरनौदा में ये बातें कहीं। उन्होंने विदिशा की पाराशरी नदी उद्गम स्थल पर पूजन किया। पटेल ने कहा कि पिछले दो वर्षों से पाराशरी नदी के संवर्धन का जो काम चल रहा है, उसमें चींटी के समान मुझे भी योगदान का सौभाग्य मिला। सारे लोग श्रम में शामिल नहीं होते, यह समाज का दोष है। पटेल ने पाराशरी नदी के घाट का भूमि पूजन, श्रमदान कर सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री पटेल ने गंजबासौदा में पंच-सरपंच सम्मेलन को भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रोफेसर्स और छात्रों को भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के फाइनल प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती है, जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत का संघर्ष काल एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को इंदौर में डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

भोपाल। भोपाल बीज निगम में बीज निगम के सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों मै ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदीकरण तथा समयमान वेतनमान एवं अन्य क्लेम का भुगतान नहीं करने का कड़ा विरोध भोपाल सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई एवं महासचिव अरुण वर्मा सेवानिवृत कर्मचारी आर के वर्मा, एस एस तिवारी, ने पत्रकार वार्ता में बताया की बीज निगम में बीज निगम के सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों मै ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदीकरण तथा समयमान वेतनमान एवं अन्य क्लेम का भुगतान नहीं करने का कड़ा विरोध एवं असंतोष है जिसकी वजह से 21 अप्रैल 2025 से बीज निगम मुख्यालय के सामने धरना दिया जायेगा। महासचिव अरुण वर्मा ने यह भी बताया कि सेवानिवृत कर्मचारियों को समय पर ग्रेच्युटी का भुगतान नही करने कि वजह से बिना इलाज के कई कर्मचारियों कि मृत्यु हो गई है जिसकी वजह से सेवानिववृत अधिकारियों कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि प्रबंधन सेवानिवृत कर्मचारियों को ग्रेच्युटी एवं अवकाश नगदीकरण तथा अन्य क्लेम का तत्काल भुगतान करे अन्यथा 21 अप्रैल से बीज निगम मुख्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जायेगा- के आदेश के बाद भी प्रशासन हाश लेबर कोर्ट के भुगतान नहीं किया जा रहा है) लगभग 3-5 वर्षों कई लोगों की भुगतान न होने की दशा में मृत्यु हो गई।

एर्नाकुलम से हजरत निजामुद्दीन के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल, बीना स्टेशन पर रुकेगी वन वे सुपरफास्ट

भोपाल (नप्र)। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गाड़ी संख्या 06061 एर्नाकुलम-हजरत निजामुद्दीन वन वे सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का एक फेरा चलाया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी, भोपाल और बीना स्टेशनों पर ठहराव करती हुई अपने गंतव्य तक पहुंचेगी।

ट्रेन का शेड्यूल

- प्रस्थानः 16 अप्रैल 2025 (बुधवार) को एर्नाकुलम स्टेशन से शाम 18:05 बजे
- इटारसीः 18 अप्रैल को प्रातः 05:10 बजे
- भोपालः 18 अप्रैल को प्रातः 06:50 बजे
- बीनाः 18 अप्रैल को सुबह 08:50 बजे
- गंतव्यः 18 अप्रैल 2025 (शुक्रवार) को रात 20:35 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर पहुंचेगी।

प्रमुख ठहराव

एर्नाकुलम, ऑल्विन, त्रिचूर, पलक्कड़, पोदनूर, तिरुपुर, ईरोड, सेलम, जोलारपेटै, कटपडी, रेनीगुटा, गुडुर, औंगोल, विजयवाड़ा, वारंगल, बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा छावनी, मथुरा, हजरत निजामुद्दीन।

डॉ. आंबेडकर ने इन तीन गुरुओं को माना जीवन का मार्गदर्शक, ऑटोबायोग्राफी में खोला राज...

नई दिल्ली। 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। दलित समाज उन्हें 'बाबा साहेब' कहकर अपने प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक के रूप में पूजता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि संविधान निर्माता और समाज सुधारक बाबा साहेब स्वयं किन्हें अपना गुरु मानते थे? अपनी आत्मकथा 'मेरी आत्मकथा, मेरी कहानी, मेरी जुबानी' में उन्होंने तीन महान हस्तियों गौतम बुद्ध, संत कबीर और महात्मा ज्योतिबा फुले को अपने गुरु के रूप में याद किया है, जिन्होंने उनके विचारों और जीवन को नई दिशा दी।

समता और ज्ञान के प्रतीक- आंबेडकर ने अपनी आत्मकथा में गौतम बुद्ध को अपना पहला गुरु बताया। उन्होंने लिखा कि उनके पिता के विद्वान मित्र दादा केलुस्कर ने उन्हें एक समारोह में 'बुद्धचरित' पुस्तक भेंट की थी। इस किताब को पढ़ने के बाद आंबेडकर का जीवन बदल गया। बौद्ध धर्म की समता और भेदभाव-मुक्त दर्शन ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने लिखा, ÷बुद्ध के चरित्र ने मुझसे रामायण, महाभारत और अन्य ग्रंथों का मोह छुड़ा दिया। मैं बौद्ध धर्म का अनुयायी बन गया। दुनिया में बौद्ध धर्म जैसा कोई धर्म नहीं।÷ बुद्ध की शिक्षाओं ने आंबेडकर को छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा दी।

भेदभाव-मुक्त संत- आंबेडकर के दूसरे गुरु थे संत कबीर, जिन्हें वे सच्चे अर्थों में महात्मा मानते थे। अपनी आत्मकथा में उन्होंने लिखा, ÷कबीर में रत्ती भर भी भेदभाव नहीं था। उनकी शिक्षाएं मेरे लिए प्रेरणा थीं।÷ आंबेडकर ने गांधी को 'महात्मा' कहने से इनकार करते हुए कबीर की सादगी और समानता की शिक्षाओं को अपनाया। कबीर के दोहे और दर्शन ने आंबेडकर को सामाजिक सुधार और एकता का पाठ पढ़ाया, जो उनके संघर्ष का आधार बना।

शिक्षा और समानता के योद्धा- तीसरे गुरु के रूप में आंबेडकर ने महात्मा ज्योतिबा फुले का जिक्र किया। फुले के प्रयासों से देश में पहला कन्या विद्यालय खुला, जिसने वंचित वर्गों को शिक्षा का अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आंबेडकर ने लिखा, ÷महात्मा फुले का मार्गदर्शन मेरे लिए अमूल्य था। उनकी शिक्षाओं ने मेरे जीवन को आकार दिया।÷ फुले की समाज सुधार और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता ने आंबेडकर को दलितों और शोषितों के उत्थान के लिए प्रेरित किया।

बाबा साहेब का अमर योगदान-

14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे बाबा साहेब ने भारतीय संविधान की रचना कर देश को एक मजबूत ढांचा दिया। उन्होंने छुआछूत, जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। दलितों, आदिवासियों और वंचितों के लिए शिक्षा, समानता और सम्मान की अलख जगाई। उनकी शिक्षाएं आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं।

जयंती पर श्रद्धांजलि-

आज बाबा साहेब की जयंती पर छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में लोग उन्हें याद कर रहे हैं। रायपुर में कई संगठनों ने रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। स्थानीय नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा, ÷आंबेडकर का जीवन एक मिसाल है। उनके गुरुओं बुद्ध, कबीर और फुले की शिक्षाएं हमें समानता और भाईचारे का पाठ पढ़ाती हैं।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा हर चुनाव के वक्त बन जाती है ऐसी स्थिति

पश्चिम बंगाल में अक्सर कानून व्यवस्था के मसले सियासी बयानबाजियों में उलझा दिए जाते हैं, जिसका नतीजा होता है कि न तो प्रशासन उनसे कोई सबक लेता है और न उसकी जवाबदेही पर आमजन के सवालों के जवाब मिल पाते हैं। मुर्शिदाबाद में भड़की सांप्रदायिक हिंसा का हश्र भी वही होता नजर आ रहा है। इस मसले पर विपक्षी भाजपा और सत्तारू? तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे पर ठीकरा फोडने में जुट गई हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में वहां आंदोलन शुरू हुआ और बीते शुक्रवार को इसने अचानक हिंसक रुख अख्तियार कर लिया। उसमें तीन लोग मारे गए और कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

घरों-दुकानों और पुलिस वाहनों में तोड-फोड तथा आगजनी की गई। जब स्थिति पर काबू पाना मुश्किल हो गया तो सीमा सुरक्षा बल को बुलाया गया। फिर भी हालात बेकाबू रहे तो बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकडियां तैनात कर दी गईं। स्थिति इस कदर खौफनाक हो गई कि सैकडों लोग अपना घर-बार छोड़ कर निकटवर्ती जिले में सुरक्षित जगहों पर पलायन कर गए। भाजपा का आरोप है कि यह हिंसा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान की वजह से भड़की। वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि हिंसा करने वाले लोग बाहर से लाए गए थे।

हालांकि फिलहाल स्थिति सामान्य होती बताई जा रही है। प्रशासन का दावा है कि हिंसा करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

आखिर कानून के किस प्रावधान पर आपत्ति है?

राकेश दुबे

ऐसा क्यों हुआ है कि पश्चिम बंगाल में भीषण हिंसक, दंगानुमा, आगजनी, रेलवे ट्रैक को बाधित करने और खून-खराबे वाला माहौल क्यों है? देश के अन्य राज्यों में ऐसी हिंसा क्यों नहीं है? क्या बंगाल में दंगाइयों और उपद्रवियों को सत्ता का संरक्षण रहा है? क्या वोट बैंक की खातिर इन दंगाइयों को खुली छूट मिली हुई है? हिंदू पिता-पुत्र की चाकू से गोद कर हत्या कैसे कर दी गई? उपद्रवियों और एक खास जमात के दंगाइयों ने घरों, दुकानों, मंदिरों पर हमले करने का दुस्साहस कहां से हासिल किया? रेलगाडि?ां रोक दी गईं, क्योंकि पटरियों पर हजारों की भीड़ बैठी थी। ऐसे हालात के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि अदालत आंखें मूंद कर नहीं बैठ सकती।

उच्च न्यायालय को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश देना पड़ा। बीएसएफ के 300 जवानों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 5 कंपनियां भी तैनात की गई हैं। यह नौबत ही क्यों आई? राज्यपाल सीवी आनंद बोस को कठोर बयान देने पड़े कि सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और किसी की जिंदगी को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल ऐसे उग्र, नफरती, हिंसक हालात और माहौल का बुनियादी सबब क्या है? वक्फ संशोधन कानून एक मुखौटा कारण हो सकता है, लेकिन जो मुस्लिम नेता, सांसद, मौलाना आदि सरेआम औसत मुसलमानों को भड?ा-सुलगा रहे हैं, क्या उनके 'कुत्ते', 'हरामखोर', 'गद्दार' वाले बयान किसी कानून के दायरे में नहीं आते? क्या ये गालियां भी 'अभिव्यक्ति की आजादी' हैं? कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लिहाजा अमन-चैन बरकरार रखना मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस का संवैधानिक दायित्व है। संविधान में केंद्र और राज्य की भूमिकाओं की स्पष्ट व्याख्या है। समवर्ती सूची का कानून केंद्र और राज्य दोनों ही बना सकते हैं। यदि ऐसे किसी कानून पर केंद्र बनाम राज्य की टकरावपूर्ण स्थिति पैदा होती है, तो संविधान के अनुच्छेद 254 के तहत केंद्र का बनाया कानून ही मान्य होगा। राज्य सरकार उसे खारिज नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री ने बंगाल में केंद्र की 'आयुष्मान भारत' योजना भी लागू नहीं होने दी है। संविधान का अनुच्छेद 245 बताता है कि संसद पूरे भारत अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकती है। राज्य विधानमंडल राज्य अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकता है। अनुच्छेद 246 अधिकार-क्षेत्र संबंधी विवादों को दूर करने के लिए विधायी विषयों को सौंपता है। वक्फ बिल इन्हीं अनुच्छेदों की परिधि में पारित कराया गया है। वह समवर्ती सूची का भी कानून है, लिहाजा संसद द्वारा पारित किए गए बिल को बंगाल कैसे नकार सकता है? यदि इस संबंध में भारत सरकार कोई कार्रवाई करती है, तो संघीय ढांचे के उल्लंघन का रोना रोया जाएगा। यह विवाद फिलहाल सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। इसी 16 अप्रैल को 20 याचिकाओं की सुनवाई होगी। वक्फ कानून की आड़ में उपद्रव मचाने वालों को याद रखना चाहिए कि आखिर फैसला शीर्ष अदालत को ही करना है। तोड़-फोड़ करने या गली-गली आंदोलन सुलगा कर कुछ भी हासिल नहीं होगा। मौलाना किसान आंदोलन की तुलना करना छोड़ दें। सवाल यह भी है कि वक्फ का मामला प्रशासनिक है, इसे मजहबी किसने और क्यों बनाया है? आखिर प्रदर्शनकारियों को कानून के किस प्रावधान पर आपत्ति है? यह पक्ष भी अदालत में रखा जाना चाहिए। ममता सरकार के मंत्री सिद्दिकुल्ला चौधरी ने यहां तक बयान दिया है कि राज्य की 50 जगहों पर दस-दस हजार लोगों की भीड़ जमा की जाए। क्या यह बयान संवैधानिक है? बंगाल में 2026 में चुनाव हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री 'तुष्टिकरण' के खेल में जुटी हैं, तो भाजपा हिंदू-मुस्लिम को हवा दे रही है। आम आदमी बीच में पिस रहा है। उसे तो 'वक्फ' के मायने भी नहीं पता हैं।

जो पार्टी आपको ये कहे कि अपनी आँखों और कानों के देखे-सुने सबूतों को मत मानो, यह उनकी तरफ से सबसे अनिवार्य और अंतिम फरमान है। -जार्ज ओरवेल

क्या पत्रकारिता वाकई 'पेन प्रस्टीट्यूट' बन गई!

जयराम शुक्ल

भारत में पहले अखबार %बंगाल गजट% का निकलना एक दिलचस्प घटना थी। वह 1780 का साल था ईस्ट इंडिया कंपनी वारेन हेस्टिंग के नेतृत्व में मजबूती के साथ विस्तार पा रही थी, तब कलकत्ता उसका मुख्यालय था। कंपनी के ही एक मुलाजिम जेम्स आगस्टस हिक्की ने हिक्कीज बंगाल गजट आर कलकत्ता एडवरटाइजर नाम का अखबार निकाल कर ब?ा धमाका किया। धमाका इसलिए कि उसने पहले ही अंक से वारेन हेस्टिंग्स समेत उन अन्य कंपनी बहादुरों की खबर लेना शुरू कर दी जिनके भ्रष्टाचार, अय्याशी के किस्से कलकत्ता की गलियों में फुसफुसाए जाते थे। हिक्की जल्दी ही कंपनी बहादुरों की आँखों में खटकने लगा पहले उसे जेल में डाला गया फिर जल जहाज में बैठाकर लंदन भेज दिया गया। यह भी कहते हैं कि उसे बीच सफर में ही मारकर समुंदर में फेक दिया गया ताकि कंपनी बहादुरों के काले कारनामे महारानी के दरबार तक न पहुंच सकें।

इस तरह जिस प्रकार एक अँग्रेज एओ ह्यूम ने कांग्रेस गठित करके राजनीतिक चेतना विकसित करने का काम किया, उसी तरह हिक्की ने अखबार निकाल कर उसकी मारकशक्ति से भारतीय बौद्धिकों को परिचित कराया। अखबार निकालने के पीछे यद्यपि हिक्की का ईर्षाजनित क्रोध और चार पैसे कमाने की लालसा थी। समाज को लेकर उसकी न कोई घोषित प्रतिबद्धता थी और न ही पक्षधरता। पर कई काम अनजाने, अनायास ही हो जाया करते है हिक्की गजट के जन्म की यही घटना है। कंपनी का छोटा सा मुलाजिम हिक्की जब अफसरों के ठाट देखता तो जलभुन जाता था(पत्रकारों में कमोबेश वही भाव आज भी जिंदा हैं)। इसलिए गुस्से को पर्चे में लिखकर निकाला। वह होशियार था और इसमें भी कुछ कमा लेने की गुंजाइश देखता था सो बंगाल गजट के साथ उसने शीर्षक में ही %कलकत्ता एडवरटाइजर% जो? दिया। यानी कि अखबार के जरिए भयादोहन कर माल कमाने का रास्ता भी भारतीय पत्रकारिता के इस गौरांग मानुष ने ही दिखाया।

लेकिन हिक्की गजट ने एक प्रेरणा तो दी ही कि अखबार के माध्यम से जनजागरण भी किया जा सकता है खासतौर पर उनके खिलाफ जिनसे इस देश व समाज को बचाने के लिए ल?ना है। इसलिए शुरुआती दिनों में ही अखबार और साप्ताहिक समाजसुधार व स्वतन्त्रता की चेतना फैलाने के लिए आवश्यक समझे गए। भारत में इसतरह प्रतिबद्धत पत्रकारिता की शुरुआत हुई। सतीप्रथा व अन्य कुरीतियों के खिलाफ आंदोलन चला रहे राजा राममोहन राय ने %संवाद कौमुदी% नाम का अखबार निकाला। कांग्रेस तबतक स्वाधीनता आंदोलन के लिए एक मंच बन चुका था और लाल-बाल-पाल यानी की लाला लाजपतराय, बिपिनचंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक देश के क्षितिज में धूमकेतु की तरह उदित हो चुके थे। इन तीनों महापुरुषों ने मीडिया की ताकत को समझा और इसे स्वाधीनता की ल?ाई के प्रभावशाली औजार में बदल दिया।

लाला लाजपतराय ने 1904 में अँग्रेजी में %द पंजाबी%निकाला और एक के बाद एक पुस्तकों की रचना की। बिपिनचंद्र पाल इससे पहले ही परिदर्शक, पब्लिक ओपीनियन, वंदेमातरम, द बंगाली निकाल चुके थे। यानी कि इन्होंने बांग्ला और अँग्रेजी में अखबार निकाला। वंदेमातरम सबसे प्रसिद्ध अखबार था। इधर बाल गंगाधर तिलक ने अँग्रेजी में मराठा और मराठी में केसरी नाम का अखबार निकाला। इन अखबारों का उद्देश्य हिक्की की तरह भ्रष्टाचार के खिलाफ भंडाफोड करना या एडवरटाइजर बनकर धन जुटाना नहीं था अपितु अँग्रेजों को भारतीयों की भावना से परिचित कराना और भारतीयों को अँग्रेजों की गुलामी के खिलाफ लामबंद करके ख?ा करना था। यह मीडिया की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट नमूना था। इस परंपरा को गणेश शंकर विद्यार्थी ने %प्रताप% मदनमोहन मालवीय ने अभ्युदय और हिंदुस्तान, माखनलाल चतुर्वेदी ने कर्मवीर, विष्णु राव पराडकर ने आज, रणभेरी के माध्यम से आगे ब?ाया। इस पुनर्जागरण काल में देश के हर प्रांतों से विविध भाषाओं में अखबार निकलने शुरू हुए और इन्हें निकालने वाले प्रायः सभी भारतीय महापुरूषों का एक ही उद्देश्य था..स्वाधीनता के लिए जनजागरण या समाज की बुराई के खिलाफ आंदोलन। हिंदी, अँग्रेजी और गुजराती में महात्मा गांधी ने हरिजन नाम का अखबार निकाला जो अछूतोद्धार और समाज में व्याप्त कुरीतियों को लेकर था।

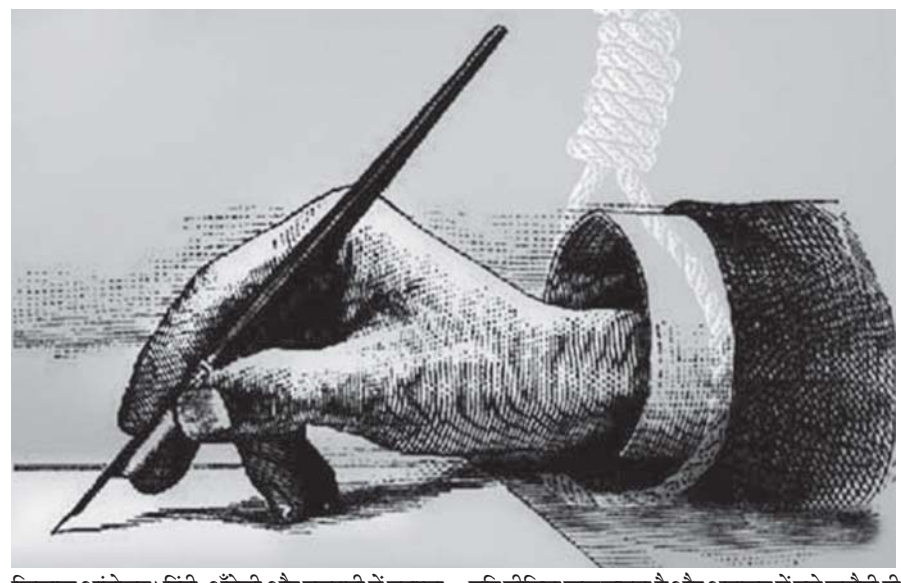

इसी बीच कलकत्ता से कई ऐसे भी अखबार शुरू हुए जो स्वरूप से थे तो विशुद्ध पेशेवर लेकिन उनका भी उद्देश्य समाज व देश के प्रति प्रतिबद्धता थी। बाबू शिशिर कुमार घोष ने 20 फरवरी 1868 के दिन बांग्ला भाषा में अमृतबाजार पत्रिका का शुभारम्भ कर चुके थे। अँग्रेज अब क्षेत्रीय और भाषाई पत्रकारिता की ताकत को भाँप चुके थे और पहली लगाम कसी 1878 में बर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लाकर। इस एक्ट के सीधे निशाने पर शिशिर बाबू की आनंदबाजार पत्रिका थी। अखबार जगत में रातोंरात एक करिश्मा हुआ..बांग्ला की अमृतबाजार पत्रिका अँग्रेजी में बदल चुकी थी। उन दिनों अँग्रेजों ने अपने प्रपोगंडा के लिए अखबार शुरू किए। बेनेटकोलमैन कंपनी का टाइम्स आफ इंडिया, स्टेटसमैन और पायोनियर जैसे अखबार अँग्रेज सल्तनत की पक्षधरता के लिए ख? कर दिए गए। इस तरह आजादी के पहले अखबारों की दो धाराएं थीं पहली जो समाज और देश के प्रति प्रतिबद्ध थीं जिनका काम स्वाधीनता को लेकर जन जागरण करना था। ऐसे अखबारों की लगाम सेठों के हाँथों में नहीं अपितु स्वतंत्रता संग्रामियों के हाथों थी जो अखबारों को ट्रस्टीशिप में या ग्राहकों के चंदों के संसाधन से निकल रहे थे। भारतीयत भाषाओं के अखबारों के लिए %चंदा%शब्द साठ सत्तर के दशक तक चला। तब यह माना जाता था कि यह उत्पाद नहीं बरन् जनता के चंदे के सहयोग से चलने वाला एक सामाजिक सहकार है। बाद में ऐसे ही कई अखबारों को पूँजीपतियों ने खरीद लिए जो आज मीडियाइंडस्ट्री के ध्वजवाहक बने हुए हैं।

तो स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के मुकाबले अँग्रेजों ने अपने अखबार ख? किए जो ब्रिटिश साम्राज्य का गुणगान करते थे और उनके राज को भारत के लिए वरदान बताते थे। सो इस तरह भारत में मीडिया की प्रतिबद्धता और पक्षधरता दोनों ही समानांतर रूप से विकसित हुई जो आजादी के कुछ वर्षों बाद ही आपस में मिलकर एक हो गईं।

अब मीडिया बाजार का एक हिस्सा है और उसके बाजारू लटके झटकों को देखते हुए ही प्रसिद्ध उपान्यासकार जार्ज ओरवेल ने %पेन प्रस्टीट्यूट% यानी की कलम की पतुरिया कहकर संबोधित किया है। मीडिया के चाल चरित्र और चेहरे को लेकर आज विश्वव्यापी विमर्श चल रहा है। इस विमर्श के केंद्र में प्रेस की स्वतंत्रता भी है, निष्पक्षता, पक्षधरता और प्रतिबद्धता भी। एक बहस मीडिया का बाजार बनाम बाजारू मीडिया को लेकर भी है। इस बीच वैकल्पिक मीडिया का अभ्युदय और सोशलमीडिया के लोकव्यापीकरण की बात भी शुरू हुई है।

जब हम मीडिया के भविष्य की बात करते हैं तब हमारी निगाहें अमेरिका की ओर जाकर टिक जाती हैं। अमेरिका की ओर इसलिए कि यह डेमोक्रेसी का आयकन है और यहां प्रेस की स्वतंत्रता अपने सर्वोत्कृष्ट स्वरूप में देखी जाती है। उसकी स्पष्ट वजह यह कि अमेरिका में प्रेस की स्वतंत्रता को चुनौती नहीं दी जा सकती। भारत में जहां प्रेस की स्वतंत्रता को अलग से परिभाषित न करते हुए नागरिकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में सन्निहित किया गया है, वहीं अमेरिका में प्रेस की आजादी को संवैधानिक कवच प्राप्त है। इसको ऐसे भी समझ सकते हैं कि भारत में यदि मीडिया कुछ छापता है और अदालत में उसे चुनौती दी जाती है तो बर्डन आफ प्रूफ खबर प्रकाशित करने वाले पर होगा। अमेरिका में इसकी स्थिति उलट है..पीडित व्यक्ति को यह साबित करना होता है कि उसको लेकर जो छापा गया है वह गलत है।

अमेरिका में प्रेस की इस स्वतंत्रता को लेकर पूरी दुनिया में दुहाई दी जाती है। 1787 में अमेरिका का जब संविधान लिखा जा रहा था तब प्रेस को डेमोक्रेसी का वाचडॉग माना गया था। प्रेस की आजादी को लेकर जनप्रतिनिधियों के इस भावाभिव्यक्ति को थामस जफरसन जो कि बाद में राष्ट्रपति भी बने ने कुछ यूँ व्यक्त किया- ÷अगर मुझपर इसका फैसला छो?ा जाता सरकार हो मगर अखबार न हों, अखबार हों लेकिन सरकार न हो तो मैं एक झटके से दूसरे विकल्प को चुनता÷

अमेरिका के संस्थापकों ने इस बात को महसूस किया था कि प्रेस तटस्थ नहीं भी हो सकता है फिर भी उन्होंने संविधान में प्रेस और पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया था। थामस जेफरसन ने लिखा था कि हमारी हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है और उसकी कोई सीमा तय नहीं की जा सकती। जान एडम्स भी मानते थे कि स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए प्रेस की स्वतंत्रता अनिवार्य है। अमेरिका में समय समय पर प्रेस के अकूत अधिकारों को लेकर चुनौतियां दी गईं। 1971 में अमेरिका के सुप्रीमकोर्ट के जस्टिस- ह्यूगो ब्लैक ने एक मामले में टिप्पणी दी थी कि प्रेस का काम शासित की सेवा करना है न कि सेवक की।

तो क्या अमेरिका में प्रेस को लेकर जो चल रहा है वह ठीक है.. जी नहीं, पेन प्रस्टीट्यूट के जिस विश्लेषण से प्रेस को नवाजा गया है वह अमेरिका के संदर्भ में ही है। ट्रंप जब राष्ट्रपति थे तो अमेरिकी प्रेस को लेकर इतने उदिग्न हुए कि असहज सवाल पूछने वाले एक पत्रकार पर ह्वाइट हाउस में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी थी। वे खुले मंचों से अमेरिकी प्रेस को लांछित करते हैं व जनता से अपील करने में भी कोई गुरेज नहीं करते कि प्रेस का बहिष्कार किया जाए। दरअसल अमेरिका में प्रेस की पक्षधरता भी स्पष्ट रूप से सामने आ गई। यह प्रक्रिया कोई तात्कालिक नहीं है। जिन जेफरसन साहब ने प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर ऐसे ब? बोल बोले थे, जिसे आज भी उद्धृत किया जाता है वही जेफरसन साहब अब अमेरिका के राष्ट्रपति बनकर जब ह्वाइट हाउस पहुँचे तो प्रेस को लेकर उनके स्वर बदल गए। तब उन्होंने कहा-÷ अखबार में जो छपता है उसपर कुछ भी विश्वास नहीं किया जा सकता, इस प्रदूषित वाहन(मीडिया) में डालभर देने से सत्य संदिग्ध हो जाता है।

दरअसल अमेरिकी प्रशासन अपने दुश्मन देश से ज्यादा अपनी ही मीडिया से डरता है और उसकी वजह यह कि सबके अपने-अपने वाटरगेट हैं और कभी भी उनका पर्दाफाश हो सकता है। अमेरिका में प्रेस की इस अकूत ताकत को देखते हुए उद्योगपतियों और राजनेताओं ने भी इस क्षेत्र में निवेश किए तथा अमेरिका में प्रेस की स्वतंत्रता की दो परस्पर विपरीत धाराएं ख?ा कर दीं। आज वहां का मीडिया स्पष्टतौर पर या तो रिपब्लिकन के साथ है या फिर डेमोक्रेट के। ठीक उसी तरह आज की तारीख में भारत में मीडिया या तो नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ख?ा है या फिर विरोध में। फिर भी अमेरिका में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर चिंता तो है। वर्ष 2018 में वहां के 146 वर्ष पुराने अखबार %बोस्टन ग्लोब% के नेतृत्व में 300अखबारों ने अमेरिका में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर संपादकीय लिखे।

यूरोप और अमेरिका के अखबार अपने देश के अंदरुनी मामलों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मामलों में भले ही कितना करतब दिखाएं लेकिन जब उनके देशों के हितों की बात आ ती है तो वे भीषण राष्ट्रवादी स्वरूप में प्रगट होते हैं। 1982में नई दिल्ली में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के सम्मेलन में नान एलाइड मूवमेंट मीडिया जिसे संक्षेप में %नामीडिया% कहा गया का विचार आया था। तीसरी दुनिया के देशों के नेतृत्वों ने इस बात की गहन चिंता व्यक्त की थी कि पश्चिम का मीडिया उनके साथ पक्षपात करता है और गलत छवि प्रस्तुत करता है। तीसरी दुनिया का एक अलग प्रेसपूल बनाने की बात हुई थी। तब भी और अब भी दुनिया की सूचना का एकाधिकार रायटर(ब्रिटेन)एसोसियेटेड प्रेस, एपी(अमेरिका)और एएफपी का था।

ईराक, अफगानिस्तान, लीबिया को बर्बाद करने से पहले अमेरिकी-यूरोपीय मीडिया ने भूमिका तैयार की थी। आज वही मीडिया नार्थकोरिया और ईरान के पीछे लगी है। क्यूबा और वेने?ुएला की दुनिया में एक नकारा छवि पेश करने की कोशिश भी इसी मीडिया की थी। भारत की बालाकोट स्ट्राइक की सत्यता पर पहला सवाल बीबीसी ने उठाया था और याद हो कि लोकसभा चुनाव के पहले टाइम मैगजीन ने नरेन्द्र मोदी को खलनायक स्थापित करने वाली एक कवर स्टोरी छापी थी। तो अमेरिका यूरोप का मीडिया अपने देश के भीतर कितने भी अंतरविरोध में पल रहा हो दूसरे देशों के मामलों में वह अपने देश के हुक्मरानों का प्रपोगंडा इंस्ट्रूमेंट्स बन जाता है। यहां उसकी नग्न पक्षधरता उभरकर सामने आती है।

इंग्लैंड का प्रेस तो ब्रिटेन को सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए बेशर्मी के साथ किसी हद तक जा सकता है। मुझे आज भी याद है 1993 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में प्रवेश के साथ ही जब विनोद कांबली ने 272 रन धुने थे तब ब्रिटेन के प्रायः अखबारों ने कांबली की काबीलियत बताने की बजाय यह बताने में अपना स्पेश जाया किया कि क्रिकेट ने मुंबई की गंदी बस्ती में रहने वाले एक अछूत जाति के छोकरे की कैसे किस्मत बदल दी। इंग्लैण्ड यह सीरीज हारा था, जिसकी सफाई में गार्जियन जैसे अखबारों ने यहां तक लिखा कि कानपुर की गर्मी, मुंबई की उमस और कोलकाता की प्रदूषित झींगा मछली ने हमारे खिलाि?यों के मनोबल पर विपरीत असर किया। तो यूरोप-अमेरिका के अखबार वैश्विक स्तर पर अपने-अपने देशों के झंडाबरदार बन जाते हैं...जबकि इसके उलट भारत के द हिंदू और टेलीग्राफ जैसे अखबार दुनिया के सामने अपने देश की जांघे उघा?ने में कोई कोर कसर नहीं छो?ते।

भारत में मीडिया ब? ही विचित्र दौर से गुजर रहा है। आजादी के बाद प्रेस से जु?ी हुई सभी मान्यताएं और शब्दावलियाँ बदलने लगीं..। मेल माल हो गया, प्रेस प्रोडक्ट और पाठक उपभोक्ता। मीडिया का एकाधिकार औद्योगिक घरानों के हाथ आ गया जो प्रत्यक्षतः कारखाने चलाते हैं और परोक्षतः अपने धन से राजनीतिक दल और सरकारें। इस मुफीद धंधे में चिटफंडिये, बिल्डर्स और स्मगलर्स भी आ जु?े। मीडिया के विस्तार के साथ ही उसके मूल्य भी बिखरते गए। मर्यादाएं टूटती गईं और आज की तारीख में किसी भी मीडिया का कंटेंट देखकर यह तय कर पाना मुश्किल है कि यह एडवर्टोरियल हो कि एडिटोरियल। मीडिया का बाजार भी बना और मीडिया बाजारू भी हो गया। उसकी प्रतिबद्धता और पक्षधरता से आम आदमी और समाज धीरे-धीरे हाशिये पर जाता गया। आज उसकी सबसे ब?ी चिंता अपने उस औद्योगिक साम्राज्य को बचाने की है जिसका वह मुखौटा है..और इसी लिहाज से वह खुद को प्रस्तुत भी करता है...प्रेस को प्राँस कहने वालों के पास इससे भी जघन्य आधार हैं...। प्रेस आज पार्टी में बदल चुके हैं। उनके प्रवक्ताओं की भूमिका में एंकर और रिपोर्टर तो पार्टियों के हक में न्यूजमेकर्स की भूमिका में हैं ही। जो इस प्रवाह में नहीं बहा वह काई जैसे फेंटे में लगा प्रेस की पक्षधरता और प्रतिबद्धता पर विमर्श कर रहा है...।

और अंत में फिर वही जार्ज ओरवेल का कथन जो उनके उपन्यास 1984 में दर्ज है-

÷ जो पार्टी आपको ये कहे कि अपनी आँखों और कानों के देखे-सुने सबूतों को मत मानो, यह उनकी तरफ से सबसे अनिवार्य और अंतिम फरमान है

सन्मति की विरासत से अलग है, संपत्ति की विरासत

सरयूसुत मिश्रा

महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल की विरासत के लिए कांग्रेस और भाजपा में लड़ाई चल रही है. कांग्रेस का गुजरात महाधिवेशन इसी विरासत पर अपना दावा मजबूत करने का प्रयास है..!!

अधिवेशन में पुर?ार ढंग से गांधी और पटेल को कांग्रेस की विरासत बताया गया. इस विरासत को हथियाने के लिए बीजेपी को कटघरे में खड़ा किया गया. विरासत की बातें खूब हुई लेकिन पार्टी को गुजरात में अपना खंडहर देखकर कुछ अनुभूति शायद नहीं हुई.

संपत्ति की विरासत होती है, पार्टी की विरासत होती है लेकिन विचारों की विरासत केवल बातों से नहीं हो सकती. काम, विरासत से जोड़ता है. सन्मति की कभी विरासत नहीं होती. हर लीडर की अपनी सन्मति होती है और यह विरासत में हस्तांतरित नहीं होती.

स्वतंत्रता और भारत निर्माण के महानायकों की विरासत आज बीजेपी के साथ जुड़ रही है तो यह इसीलिए संभव हुआ क्योंकि कांग्रेस की पीढ़ियों ने विरासत की सोच और विचार पर आगे चलने की सन्मति नहीं दिखाई. सम्मेलनों और महाधिवेशनों में गांधी, पटेल और डॉ. आंबेडकर के फोटो लगाकर विरासत पर दावा करने से कोई राजनीतिक लाभ नहीं होगा. इन महान नेताओं की विरासत से कांग्रेस अपना सैद्धांतिक जोड़ भले बताने की कोशिश करें लेकिन पार्टी नेतृत्व और कांग्रेस सरकारों के आचरण इस विरासत पर खरे नहीं उतरते.

सबसे पहले तो कांग्रेस को भारत की विरासत से अपने आप को जोड़ना होगा. सरदार पटेल की विरासत तो बीजेपी हथिया चुकी है. इसी के चलते गुजरात बीजेपी का ग? बना. सरदार पटेल की विश्व की सबसे बड़ी मूर्ति पीएम मोदी ने स्थापित की थी. तब उनके इस काम की प्रासंगिकता समझ नहीं आई थी. क्योंकि पटेल की मूर्ति मोदी ने स्थापित करवाई है इसलिए राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व ने इस मूर्ति के दर्शन करने की कभी जरूरत नहीं समझी.

पटेल के मूर्ति स्थल को बीजेपी तीर्थ के रूप में देश - दुनिया में स्थापित करने पर जुटी हुई है. उस पर न कभी राहुल गांधी गए हैं और ना ही कांग्रेस का कोई बड़ा नेता. गुजरात में अगर महाधिवेशन करके कांग्रेस सरदार पटेल की विरासत पर अपने दावे को मजबूत करना चाहती है तो फिर उसे सरदार पटेल की मूर्ति पर जाकर दर्शन करने से परहेज क्यों करना चाहिए. सरदार पटेल को राजीव गांधी की सरकार तक भारत रत्न नहीं मिल सका. गांधी परिवार का पटेल के प्रति यह उनका दृष्टिकोण बताता है. पटेल को मरणोपरांत 41 साल बाद भारत रत्न मिल सका.

ऐसी ही गलती गांधी परिवार ने अयोध्या में राम मंदिर में नहीं जाकर की है. सनातन की विरासत से गांधी परिवार की दूरी कांग्रेस को न केवल नुकसान पहुंचा रही है बल्कि उसका जनाधार भी लगातार कम हो रहा है. सनातन की विरासत का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और धार्मिक आयोजन महाकुंभ प्रयागराज में संपन्न हुआ राहुल गांधी या उनके परिवार का कोई भी सदस्य महाकुंभ में जाकर संगम में डुबकी लगाने की विरासत से अपने को दूर रखा.

सरदार पटेल की पहल पर सोमनाथ में भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया था. बीजेपी तो पटेल की विरासत को अपने साथ जोड़ते हुए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेय लेती है. बीजेपी यहां तक कहती हैकि, अगर अयोध्या का मामला भी सरदार पटेल के अधीन में होता तो उसका निराकरण भी बहुत पहले हो चुका होता.

कश्मीर में धारा 370 को हटाने के निर्णय को भी बीजेपी, सरदार पटेल की विरासत वाला कदम बताती है. उनका कहना है कि, देश की सभी रियासतों के मामले सरदार पटेल देख रहे थे, केवल कश्मीर रियासत का मामला पंडित जवाहरलाल नेहरू के

अधीन था. और आखिरकार कश्मीर में ही मामला बिगड़ गया. धारा 370 का अभिशाप लागू हुआ जिसे बीजेपी ने हटाने का निर्णय लिया.

विरासत का संघर्ष केवल बातों से नहीं लड़ा जा सकता. विरासत के विचार सन्मति और संकल्पों पर काम करने की जरूरत होती है. डॉ भीमराव अंबेडकर की विरासत पर भी कांग्रेस अपना दावा मानती है जबकि उनके पंच तीर्थ के विकास का काम भाजपा द्वारा संपन्न किया गया है. पंडित जवाहरलाल नेहरू को छोड़कर किसी भी स्वतंत्रता आंदोलन या देश के निर्माण में लगे महापुरुषों की पॉलीटिकल पार्टी परिवार की पार्टी के रूप में स्थापित नहीं हुई है.

कांग्रेस अकेली पार्टी है, जिस पर आजादी के समय से अभी तक गांधी परिवार का ही नियंत्रण है. परिवारवाद की राजनीति महानायकों का आदर्श नहीं था. बातें कितनी भी की जाएं लेकिन कांग्रेस पर गांधी परिवार का कब्जा यही साबित करता है कि, इस पार्टी में महापुरुषों की नही बल्कि परिवार की विरासत को ही सहेज कर रखने की कोशिश की जाती है.

सरदार पटेल की विरासत तो कांग्रेस से पूरी तौर से जा चुकी है. डॉक्टर अंबेडकर की विरासत पर भी बीजेपी ने काम कर करके अपना दावा मजबूत कर लिया है. अब तो महात्मा गांधी की विरासत पर भी कांग्रेस में खतरे की घंटी बजती दिखाई पड़ रही है. केवल महापुरुषों का नाम लेकर विरासत नहीं बचाई जा सकती.

वर्तमान नेतृत्व में इतनी बौद्धिक क्षमता, उदारता और विशालता होनी चाहिए जो महापुरुषों के विचारों को सही परिपेक्ष में समझ सके, सही दिशा में काम कर सके.

जो पार्टी जाति, क्षेत्र और भाषा से ऊपर उठकर सबके लिए काम करने का नैतिक बल दिखा सके. नेतृत्व ऐसा चाहिए जिसकी विश्वसनीयता असंदिग्ध हो. जिस पर भेदभाव और तुष्टिकरण के आरोप कोशिशों के बाद भी चिपकाए ना जा सके. राहुल गांधी तो इसके विपरीत सुविधा के हिसाब से बातें करते हैं.

यह कहने मात्र से कोई लाभ नहीं होगा कि, कांग्रेस दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण में लगी रही और ओबीसी छिटक गए. मंडल कमीशन का राजीव गांधी ने विरोध कर जो विरासत बनाई है, उस पर कांग्रेस को सबसे पहले तो माफी मांगनी पड़ेगी.

भारत में ओबीसी राजनीति के जनक के रूप में विश्वनाथ प्रताप सिंह को देखा जाता है. विश्वनाथ प्रताप सिंह भी पूर्व कांग्रेसी ही थे. राजीव गांधी से मतभेदों के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ी. कांग्रेस नेतृत्व में इतनी उदारता दिखनी चाहिए कि, अगर हमारा कोई नेता विचार के रूप में किसी विरासत के लिए स्वीकारा जा सकता है तो उस पर चलने से कोई एतराज नहीं होना चाहिए.

देश में ओबीसी पॉलिटिक्स की जब भी चर्चा होगी तो बी पी सिंह और मंडल कमीशन को नकारा नहीं जा सकता. कांग्रेस ओबीसी की विरासत तो लेना चाहती है लेकिन बी पी सिंह का नाम लेने से परहेज करती है. विचारों में ऐसा ही दोगलापन किसी भी पार्टी को विरासत से दूर कर देता है.

महापुरुषों की विरासत की जंग कांग्रेस हारती हुई दिखाई पड़ रही है. केवल जवाहरलाल नेहरू ही कांग्रेस के विरासत के रूप में बचे रह सकते हैं. वह भी शायद इसलिए कि, उनका परिवार ही पार्टी पर काबि? है. जब तक वर्तमान को सन्मति नहीं मिलेगी तब तक विरासत की दम पर कोई भी पार्टी ज्यादा लंबे समय तक नहीं चल पाएगी.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail–com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

तीन थानो की पुलिस ने अवैध शराब की जब्त

शहडोल। तीन अलग-अलग थानों की पुलिस ने थाना क्षेत्रो से अवैध शराब जप्त की है। थाना जैतपुर ने ग्राम डोंगरी टोला में दबिश देकर आरोपी सुनील यादव उम्र 30 वर्ष के पास से 06 लीटर अवैध महुआ शराब 600रु,एवं मैरटोला मे आरोपी विष्णु बैगा के पास से 07 लीटर कीमत 840रु, थाना बु?ार ने ग्राम मलया मे दबिश देकर आरोपी सुखसेन चौधरी उम्र 48 वर्ष से 07 लीटर कीमत 840 रु,आरोपी दुर्गेश पनिका उम्र 50वर्ष 840 रु, इसी प्रकार थाना ब्योहारी ने ग्राम मुंदरिया में दबिश देकर आरोपिया विश्वनाथ प्रजापति की पत्नी से 06 लीटर कीमत 600 रु एवं आरोपी राम सुशील साकेत उम्र 35 वर्ष से 07 लीटर कीमत 820 रु की अवैध महुआ शराब जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

गल चैराहा से लेकर अस्पताल के पीछे तक मार्ग पर होगा डामरीकण

आष्टा। नगरपालिका द्वारा लगभग आधा दर्जन वार्डो को जो?ने वाले बुधवारा मार्ग पर डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया, जिसके मुख्य अतिथि विधायक गोपालसिंह इंजीनियर थे, अध्यक्षता नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवा?ा ने की, वहीं विशेष अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंजनी विशाल चैरसिया, वार्ड पार्षद रवि शर्मा, श्रीमती लता तेजपाल मुकाती मौजूद रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा कि बुधवारा मार्ग नगर का मुख्य मार्ग है, लगभग सभी सामग्रियों के प्रतिष्ठान इसी मार्ग पर है, वह चाहे कप?ा हो, किराना हो, इलेक्ट्रानिक हो या आभूषणों के प्रतिष्ठान। नगर सहित ग्राम्यांचलों से सामग्री क्रय करने आने वाले ग्रामीणजनों का इसी मार्ग पर अत्याधिक आवागमन बना रहता है। आज हमें गर्व है कि नगरपालिका द्वारा इस मार्ग का डामरीकरण कर मार्ग का सुदृ?ीकरण करने का कार्य प्रारंभ हुआ है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवारा मार्ग वर्षो पूर्व बना हुआ था, जिसके कारण अनेक जगहों पर गड्ढे हो गए थे साथ ही बारिश के दौरान मार्ग अत्याधिक क्षतिग्रस्त हो गया था। परिषद के सामूहिक सहयोग से मार्ग पर डामरीकरण कर मार्ग का सुदृ?ीकरण करने का निर्णय लिया और आज भूमिपूजन संपन्न हुआ। यह मार्ग गल चैराहा से लेकर अस्पताल के समीप स्थित पारख मेडिकल तक व्यवस्थित तरीके से लगभग 25 लाख रूपये की लागत से पूर्ण होगा। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा ने नपा के तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मार्ग निर्माण के दौरान स्वयं मौजूद रहकर तथा निर्माण सामग्री की जांच कर ही कार्य पूर्ण कराएं।

गांवों में स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही सरकार-ललिता यादव

छतरपुर। गांव के लोगों को अपने आसपास ही स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश की भाजपा सरकार कोई कसर नही छोड़ रही

है। यह बात आज छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने 65-65 लाख रुपए की लागत से बनने वाले ग्राम थरा और ग्राम बृजपुरा के उप-स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमि-पूजन करते हुए कहीं।

छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने वैदिक रीति-रिवाज से थरा और बृजपुरा के उप-स्वास्थ्य केंद्र भवनों का भूमि-पूजन किया तथा शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में गांव वालों को स्वास्थ्य की सुविधा प्राप्त करने के लिए अब ज्यादा दूर नही जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इन उप स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य से संबंधित सामान्य बीमारियों के अलावा गांव की महिलाओं तथा मातृ-शिशु देखभाल और टीकाकरण आदि की सुविधा मिलेगी। भूमि-पूजन के दौरान ग्राम थरा और ग्राम बृजपुरा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरपी गुप्ता, भाजपा के उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह यादव मोनू सहित गांव के सरपंच, सचिव और बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित थे।

अंबेडकर जयंती पर इन गांवों को मिली सौगात के पहले विधायक श्रीमती ललिता यादव ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संविधान केवल दस्तावेज नहीं हमारे स्वाभिमान का प्रतीकः-कुलगुरु

पीटीएसएनयू में डॉ.अंबेडकर जयंती पर व्याख्यान माला का आयोजित

शहडोल। शहडोल के नवलपुर मे स्थित पण्डित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर ÷हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान÷ विषयक व्याख्यान माला का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर विश्वविद्यालय वित्त नियंत्रक आर. एन. सिंह ने कहा ÷डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान को सामाजिक न्याय की भावना से ओतप्रोत किया है, और यह हम सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि हम संविधान के मूल्यों का सम्मान करें और उन्हें जीवन में आत्मसात करें।÷

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु प्रो. रामशंकर तिवारी ने कहा, ÷संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह हमारे स्वाभिमान का प्रतीक है। डॉ. अंबेडकर ने जिस समावेशी समाज की कल्पना की थी, उसे साकार करने की जिम्मेदारी आज हमारे कंधों पर है।÷बाबा साहेब का दर्शन समाज के लिए आज भी दर्पण है समाज के लिए सदैव समरसता के समर्थक कभी भी हिंसक विरोध के समर्थक नहीं थे।उनका मूल उद्देश्य भारत की आत्मा को जगाना और शिक्षित समाज के द्वारा देश को आगे ले जाना था।

विशिष्ट अतिथि एवं मुख्यवक्ता डॉ. प्रियंका मार्को ने डॉ. अंबेडकर के शैक्षिक योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ÷वे ज्ञान और विचारों के महासागर थे, और आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।÷उनका मानवतावादी दृष्टि कोण उन्हें पूजनीय बनाता है।शिक्षा के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य देश के विकास में आज भी प्रासंगिक है। संविधान के निर्माण में अधिकारों की व्यापक व्यवस्था उनके दृष्टि का व्यवहारिक प्रतीक प्रतीत होता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. ममता प्रजापति ने अपने विचारों को रखते हुए कहा कि यह गौरव की बात है हमारे मध्यप्रदेश के महू के लाल ने भारत के निर्माण में अपने अवदान से

स्वर्णिम इतिहास बनाया 32 डिग्री के साथ आठ भाषाओं का ज्ञान उन्हें महान बनाता है। उनके शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र पर विस्तृत प्रकाश डाला।

डॉ. प्रवीण शर्मा ने अंबेडकर के आर्थिक दृष्टिकोण और सामाजिक परिवर्तन में उनके योगदान पर बात की, और कहा उनका चिंतन हम सबको अपने जीवन में उतारना चाहिए ।वहीं डॉ. सुनीता बाथरे ने संविधान में वर्णित अधिकारों और कर्तव्यों पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर ने धारा 370 का विरोध किया था और उनकी खुद के पुस्तकालय में लगभग 50000 किताबें थी ।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ गीता सराफ ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी, एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभागार में अंबेडकर जी के जीवन पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने विद्यार्थियों में विशेष रुचि उत्पन्न की।कार्यक्रम का समापन संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ हुआ, जिसने सभी में एक नई ऊर्जा और संविधान के प्रति सम्मान का भाव भर दिया।

विधायक सुरेंद्र पटवा ने किया डॉ.बाबासाहेब की आदम कद प्रतिमा का अनावरण

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- 14 अप्रैल बाबा साहब की जयंती पर नगर परिषद द्वारा भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेंद्र पटवा विधायक भोजपुर, नागपुर से आए डॉ चंद्रबोधि पाटिल राष्ट्रीय अध्यक्ष बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया, डॉ मोहनलाल पाटिल चेयरमैन बुद्धिस्ट सोसायटी मध्य प्रदेश, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे, द्वारा किया गया इस मौके पर जिला महामंत्री रविंद्र विजयवर्गीय, मंडल अध्यक्ष डॉ भूपेंद्र नागर ,सोनू चौकसे पूर्व मंडल अध्यक्ष, नपं उपाध्यक्ष नमीता वागीश अग्रवाल ,

ओ पी गोदिया अध्यक्ष वाल्मीकि महासभा, सना आमिर ममनून, शंकर लाल ईरपाचे,सुजीत यादव, एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव एसडीओपी शीला सुराणा, पत्रकार गण एवं नगर वासी उपस्थित रहे।

अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी द्वारा अतिथि सम्मान समारोह इस मौके पर अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया संस्था के अध्यक्ष सुनील सेरिया, अनिल झागरे, सुनील वाल्मीकि,सौरभ मालवीय, मुकेश जाटव, भूपेंद्र मेहरा,रमेश कुमार, संजय झारिया, ब्रजेश बामनिया,जीवन निनोरिया, अमृत लाल सूर्यवंशी, उपेंद्र मालवीय,संजय प्रजापति शांतिलाल परोलिया, अनूप चौधरी, आदि ने अतिथियों का सम्मान किया द्य

कलेक्टर एवं एसपी ने भारत रत्न डॉ अंबेडकर की प्रतिमा में किया माल्यार्पण

सिवनी- 14 अप्रैल डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर जिलें में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुनील मेहता जिला मुख्यालय के अंबेडकर चौक में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्टर एवं एसपी ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन के साथ भारत रत्न डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहब को याद किया गया। कलेक्टर सुश्री जैन ने कहा कि भारत रत्न डॉ भीमराव का देश के संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान हैं। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे देश में संविधान द्वारा हम सभी लोगों को मौलिक अधिकारों द्वारा ही समान अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को डॉ अम्बेडकर के जीवन से संघर्ष और चुनौतीपूर्ण कार्यों को करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने सभी से मौलिक दायित्वों के निर्वहन करने की अपील की गई।

कांग्रेसियों ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी

सिवनी- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को एक सर्व समावेशी प्रगतिशील संविधान प्रदान करने एवं देश के करो?ों अनुसूचित जाति में शोषण, उत्पी?न और असमानता से मुक्ति की प्रबल भावना जगाकर इस वर्ग को भी समाज की बराबरी में खड़े करने वाले संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 134 वी जयंती कार्यक्रम जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना की उपस्थिति में मनाई गई, बाबा साहेब के छायाचित्र पर श्रीमती गीतारणधीर सिंह ठाकुर ने माल्यार्पण किया एवं दीप प्रज्जवलित श्रीमती सीता निखारे ने किया, तत्पश्चात उपस्थित कांग्रेस जनों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी, तथा बाबा साहेब जी की प्रतिमा स्थल पंहुचकर श्री खुराना द्वारा माल्यार्पण कर सभी कांग्रेस जनों ने पुष्पांजलि दी।

डॉ. बाबा साहेब जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने कहा कि जिस व्यक्ति की प?ाई के लिए बोरे में बैठाया जाता था उस व्यक्ति ने ऐसे शोषित वर्ग की ल?ाई ल?ा, बराबरी का अधिकार दिलाया, आज सत्ता पर ऐसे विचारधारा के लोग काबिज है जिन्होंने कभी भी बाबा साहेब अम्बे?कर और उनके संविधान को पसंद ही नही किया, देश के ग्रह मंत्री अमित शाह यह नहीं जानते कि आज भी देश के करो?ा लोगो के लिए यदि कोई भगवान है तो वह है बाबा साहेब अम्बेडकर। मोहनसिंह चंदेल ने कहा कि बाबा साहेब ने बताया कि शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो, राजिक अकील ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग हमेशा संविधान समीक्षा, संविधान बदलने की बात करते है, संविधान में दिये गये अनुसूचित जाति को दिये गये अधिकारों को कम करने की बात करते है, बाबा साहेब और संविधान को लेकर इन लोगो का नजरीया आजादी से लेकर आज तक ठीक नही रहा, दयालू सिंह मरकाम ने अपने विचार रखें।

जयंती कार्यक्रम में जेपीएस तिवारी, ए? पंकज शर्मा, अतुलचंद मालू, घनश्याम सनोडिया, मोहन सिंह चंदेल, ए? श्याम डहेरिया, श्रीमती ललिता बघेल, विनोद यादव, राजिक अकील, गेंदलाल भलावी, मोहन सिंह ठाकुर, शंकरलाल डहेरिया, राजेश मानाठाकुर, सुमित मिश्रा, शिव सनोडिया, आदित्य मोन्टू भूरा, अतीक खान,अर्जुन बिसेन, ए? मिर्जा फैसल बेग, शिवदीप डहेरिया, मनीष अग्रवाल, धनंजय सिंह, आबिद हुसैन, राजेन्द्र प्रसाद देशमुख, डालचंद पप्पू पुसाम, विनोद जयप्रकाश यादव, सतेन्द्र बघेल सहित बडी संख्या में कांग्रेस जनों की उपस्थिति रही।

समझे जल का मोल करे जल का संरक्षणः दुर्गादास उइके सुलभता से मिले आने वाली पीढ़ी को जलः मोहन नागर

आठनेर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आठनेर द्वारा चयनित नवाकुर संस्था जागृति ग्राम विकास समिति बरखेड़ द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री मंत्री मोहन नागर की उपस्थिति में आठनेर विकासखंड के आदिवासी ग्राम बरखेड़ में ग्राम की नदी में श्रमदान कर लोगों को जल को बचाने के लिए प्रेरित किया गया। केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि आज जल के महत्व को समझेंगे तो कल जल के लिए हमें भटकना नहीं पड़ेगा। जितने जल की आवश्यकता है उतने ही जल का उपयोग करें। जल को व्यर्थ न बहाए। जल के मोल को समझे एवं जल संरक्षण के लिए सभी सार्थक प्रयास करें। जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि आज दिनों दिन भूमि का जलस्तर घटता जा रहा है। समय रहते इसको समझते हुए हमें हमारे जल के प्राकृतिक स्त्रोतों के संरक्षण करने के लिए सभी लोगों को एक जन आंदोलन की तरह कार्य करते हुए समय रहते इन प्राकृतिक स्त्रोतों का संरक्षण कर भूमि का जलस्तर सुधारने की आवश्यकता है। जिससे हमारे आने वाली पीढियां को जल की पर्याप्त उपलब्धता मिल सके। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य अर्चना गायकी, भाजपा जिला कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी, जन अभियान परिषद नर्मदापुरम संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी, जिला समन्वयक प्रिया चौधरी,ब्लॉक समन्वयक मधु चौहान, नवांकुर संस्था से देवीदास गावंडे, गोवर्धन राने, कैलाश आजाद, दिनेश माकोड़े, परामर्शदाता सतीश ठाकरे, दिनेश साकरे, रूपाली पांसे सहित बड़ी संख्या में सीएमसीएलडीपी छात्र छात्राएं तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संरक्षण के संकल्प के साथ किया गया।

बालिका जन्म उत्सव मनाकर लाड़ली लक्ष्मी का स्वागत किया गया

मंडला--जिला चिकित्सालय मण्डला में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा बालिका जन्म उत्सव मनाकर ला?ली लक्ष्मी का स्वागत किया गया। बालिका हेतु धात्री माता को बेबी किट बांटी गई एवं उपस्थित धात्री माताओं को स्तनपान का महत्व समझाया गया। बच्चों के लिये मां का पहला दूध अमृत होता है इसलिये जन्म के तुरंत बाद स्तनपान और 6 माह तक बच्चों को केवल स्तनपान कराने के बारे में जागरूक किया। इस प्रकार स्तनपान करवाकर ही प्रथम स्तर पर कुपोषण की रोकथाम की जा सकती है। साथ ही पोषण अभियान अंतर्गत धात्री माताओं को आंगनबा?ी केन्द्र से प्राप्त टीएचआर (टेक होम राशन) के विभिन्न व्यंजनों को किस प्रकार बनाकर खाया जाये इसके बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात प्रशासक/पर्यवेक्षक द्वारा आस-पास से आये हुये लोगों को बाल विवाह रोकने हेतु समझाइश दी गई। बाल विवाह से जु?ी सामाजिक कुरीतियों और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार 21 वर्ष कम आयु का ल?का और 18 वर्ष से कम आयु की ल?की का विवाह बाल विवाह माना जाता है जिसमें जेल एवं आर्थिक दण्ड का प्रावधान है।

इसके अलावा पॉक्सो एक्ट में क?ी कार्यवाही भी की जाती है। इस प्रकार अधिनियम के तहत दोषी पाये जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति जो विवाह समारोह में शामिल होते हैं या सहयोग करते हैं। सभी के लिये उचित दण्ड का प्रावधान है, जिसमे माता-पिता के अलावा पुजारी, मौलवी, रिश्तेदार, बिचौलिये, केटरिंग, टेंट, नाई, ब्यूटी पार्लर, विवाह आयोजक, बैंड, प्रिंटिंग प्रेस वाले भी शामिल हो सकते हैं। बाल विवाह में पक? गये दोषियों को 2 वर्ष का कारावास एवं 1 लाख तक का जुर्माना या सजा दोनों हो सकता है।

भारत के संविधान शिल्पी डा. अंबेडकर जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

बैतूल। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आज कई सामाजिक संगठनों और राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौक पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शपथ भी ली। एसपी बैतूल ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

आज सुबह से ही अंबेडकर चौक पर बाबा साहब को स्मरण करने वालों का तांता लगा हुआ है। केंद्रीय जनजाति राज्यमंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार की मौजूदगी में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संविधान की प्रस्तावना पढ़कर शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आव्हान किया कि वे बाबा साहब के बताए मार्ग का अनुसरण करें।

जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने भी यहां प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान की रक्षा करने की शपथ ली। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव समीर खान ने कहा कि बाबा साहब के द्वारा निर्मित संविधान के द्वारा ही भारत के दलित शोषित एवं पिछड़े वर्ग को समानता का अधिकार प्राप्त हुआ है।

बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह आयोजन समिति ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पहले पंचशील बुद्ध विहार में ध्वजारोहण और बुद्ध वंदना की गई। समिति ने यहां से एक जुलूस का भी आयोजन किया गया जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचा जहां इसका समापन किया गया वही रास्तों में जगह-जगह जुलूस का स्वागत भी किया गया। एसपी बैतूल निश्चल एन झारिया भी यहां कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

बाबा साहब के बनाए संविधान से गरीब पिछड़े तबके के लोगों को ऊपर उठने का मौका मिला है : रायसिंह मेवाड़ा

नगरपालिका ने वार्ड 13 में मनाई बाबा साहब अंबेडकर की जयंती

आष्टा। भारतीय संविधान के जनक भारत रत्न बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर देश, प्रदेश सहित नगर में विभिन्न आयोजन संपन्न हुए। नगरपालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 13 हाथीखाना स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना सहित नपा के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवा?ा ने कहा कि हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी से जब मुक्त हुआ, तब हम मुक्त तो हो गए थे किंतु उस समय जो नियम थे वह अंग्रेजों के बनाए हुए थे, जिसमें जो गरीब था वह गरीब ही बना रहा और जो अमीर था वह अमीर ही रहे। अंग्रेजों के नियमों में संशोधन करते हुए एक नवीन संविधान की रचना की जिसमें गरीब तबके के लोगों को ऊपर आने का अवसर प्राप्त हुआ और आज पिछ?ाी जाति के लोग संपन्न व्यक्ति बनकर समानता से आगे ब? रहा है। बाबा साहब अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल का दिन सभी भारतीयों के लिए खास है, क्योंकि यह दिन हमें बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके योगदान को याद करने का एक अवसर प्रदान करता है। भारत के इतिहास में जन्मे कई सारे महापुरुषों में से एक बड़ा नाम है बाबा साहब भीमाराव अंबेडकर का, जिन्होंने समाज, शिक्षा, राजनीति और न्याय व्यवस्था की दिशा में कई बदलाव किए। डॉ. भीमराव अंबेडकर ऐसे ही एक महान विचारक, समाज सुधारक, और संविधान निर्माता थे, जिनका जन्म 14 अप्रैल को हुआ था। मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में कुछ ऐसे महान लोग हैं, जिन्होंने समाज की दिशा और दशा को पूरी तरह बदल दिया। डॉ. भीमराव अंबेडकर ऐसा ही एक नाम हैं, जिनका जीवन भारत में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना को समर्पित था। उनके सम्मान और याद में 14 अप्रैल को पूरे देश में अंबेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह केवल एक व्यक्ति की जयंती नहीं, बल्कि एक आंदोलन की याद है।

एसीसी ने ठेकेदार को दमोह में 'वॉटरप्रूफिंग का राजा' बनने में सक्षम बनाया

दमोह। एसीसी के उत्पादों और सेवाओं ने दमोह के काट्रैक्टर श्री मुकेश तोमर को पूरे जिले में 'वॉटरप्रूफिंग का बादशाह' बनने में सक्षम बनाया है। 1993 में एक सुपरवाइजर के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले वे 2002 में एक ठेकेदार बन गए और लगातार एसीसी के उत्पादों और सेवाओं की स्थायित्व और उच्च गुणवत्ता पर भरोसा करते रहे हैं।

2020 में, उन्होंने नए एसीसी लीकब्लॉक उत्पादों का सफलतापूर्वक उपयोग करना शुरू किया और बहुत जल्दी वॉटरप्रूफिंग कार्य के लिए सबसे अधिक मांग वाले ठेकेदार बन गए। श्री मुकेश नियमित रूप से विभिन्न एसीसी प्रशिक्षणों और कार्यशालाओं में भाग लेते हैं क्योंकि उनका माननाहै कि अपने काम में बेहतर बनने के लिए लगातार सीखना चाहिए। दमोह के आसपास ग्राहकों और परियोजनाओं की बढ़ती संख्या के साथ उनका काम लगातार व्यस्त रहता है। अपनी सारी विशेषज्ञता के बावजूद, वह एसीसी तकनीकी सेवा इंजीनियरों के साथ जुड़े रहते हैं और अपने ग्राहकों के लिए काम की सर्वोत्तम गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अधिक तकनीक सीखने के लिए स्लैब पर्यवेक्षण और अन्य सेवाओं के लिए साइट विज़िट का अनुरोध करते हैं। श्री मुकेश तोमर की कहानी एसीसी के प्रतिष्ठित ब्रांड के लिए एक वसीयतनामा है, जो लंबे समय तक चलने वाले घरों के निर्माण के लिए सबसे समर्पित, टिकाऊ और अभिनव दृष्टिकोण अपनाता है।

बालवीर 5 में सुपरहीरो की नई उड़ान

मुंबई, एजेंसी। देव जोशी का नाम लेते ही सबसे पहले जो चेहरा सामने आता है, वो है 'बालवीर' का। सालों से बच्चों और परिवारों के दिलों पर राज कर रहा ये सुपरहीरो अब एक नए रूप में वापस लौट रहा है। 'बालवीर' का पांचवां सीज़न न केवल एक्शन से भरपूर है, बल्कि यह आत्म-संघर्ष और आत्म-खोज की भावनात्मक कहानी भी पेश करता है। इस बार बालवीर को न सिर्फ अपने दुश्मनों से, बल्कि खुद के भीतर की उथल-पुथल से भी लड़ना है। यही बात इसे खास बनाती है। 'बालवीर 5' एक ऐसा सफर है जो हर उम्र के दर्शकों को छू जाएगा। देव जोशी ने बताया कि इस बार एक्शन का लेवल एकदम अलग और ज़बरदस्त है! ट्रेलर को देख कर ही फैन्स की एक्साइटमेंट का अंदाजा लगाया जा सकता है। शूटिंग के दौरान हम सभी ने, चाहे वो एक्टर हों या फाइट डायरेक्टर्स, दिल लगाकर काम किया। हमने ऐसे सीन तैयार किए हैं जो न सिर्फ विज़ुअली शानदार हैं, बल्कि काफी रियल भी लगते हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इस बार का अनुभव पिछले सभी सीज़न से ज्यादा जबरदस्त लगेगा। देव जोशी ने बताया कि'बालवीर' मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। 2012 से जब हमने इसकी शूटिंग शुरू की थी, तब से लेकर आज तक इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ दिया है। 2019 में जब मुझे कला और संस्कृति में योगदान के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार मिला, वो मेरे लिए एक यादगार पल था। बालवीर की वजह से मुझे ये पहचान मिली - एक ऐसा किरदार जो अच्छाई, सच्चाई और उम्मीद का प्रतीक है। इसने मुझे न सिर्फ एक बेहतर एक्टर, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाया है।

ये बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है। 'बालवीर' सिर्फ एक किरदार नहीं है, यह एक प्रेरणा है। हर सीन में, हर संवाद में इसकी अच्छाई और सच्चाई झलकती है। इस सीज़न में मुझे डबल रोल निभाने का मौका मिला - जिसमें एक नेगेटिव शेड भी है। ये मेरे करियर के लिए एक बड़ा चैलेंज था और मुझे खुद को एक्टिंग के एक नए स्तर पर ले जाने का मौका मिला। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसा किरदार निभा रहा हूं, जिसे बच्चे अपना हीरो मानते हैं।

'ब्लैक, व्हाइट एण्ड ग्रे- लव किल्स' का ट्रेलर जारी

मुंबई। सोनी लिव के नये डॉक्यु-ड्रामा 'ब्लैक, व्हाइट एण्ड ग्रे- लव किल्स' का दिलचस्प ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है। इसमें शो की पेचीदा और दिमाग को झकझोर देने वाली दुनिया का एक नजारा मिलता है।यह सीरीज़ 2 मई को रिलीज़ होगी। इसमें डेनियल गैरी नाम का एक पत्रकार कई हत्याओं का रहस्य सुलझाने की कोशिश करता है। ये हत्याएँ एक चालाक, गरीब आदमी से जुड़ी हैं। जैसे-जैसे डेनियल जांच करता है, उसे भ्रष्टाचार, पुरुष-प्रधान सोच और सामाजिक बंटवारे का जाल दिखता है। इससे सही-गलत का फर्क धुंधला हो जाता है और सच व न्याय की उलझन सामने आती है।इस सीरीज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे मयूर मोरे ने कहा, ''ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे- लव किल्स में काम करना मेरे कॅरियर का सबसे शानदार और आंखें खोलने वाला अनुभव था। यह एक बोल्ड मॉक्यूमेंट्री है, जो अलग-अलग स्टाइल को मिलाती है और एक रोमांचक अपराध की कहानी दिखाती है। यह कहानी ऐसे सवाल उठाती है, जो आपके दिमाग में गूंजते रहते हैं। इसे देखकर आप चुपचाप नहीं बैठ सकते। यह अपराधबोध, मासूमियत और न्याय के बारे में आपके विचारों पर सवाल उठाती है। मेरा किरदार ऐसी दुनिया से है, जहां विकल्प कम हैं और गलतियों की सजा बहुत सख्त है। यह बहुत वास्तविक, भावनात्मक और व्यक्तिगत है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमारी कहानी से जुड़ेंगे और इसे देखने के बाद लंबे समय तक सोचेंगे।'' ब्लैक, व्हाइट एण्ड ग्रे- लव किल्स का निर्देशन पुष्कर सुनील महाबाम ने किया है। इसके निर्माता स्वरूप संपत और हेमल ए. ठक्कर हैं। सीरीज में तिग्मांशु धूलिया के साथ मयूर मोरे जैसे नये और पलक जायसवाल, देवेन भोजानी, एडवर्ड सोनेनब्लिक, हाकिम शाहजहां, अनंत जोग, कमलेश सावंत आदि प्रतिभाशाली कलाकार हैं।

मिआ बाए तनिष्क अक्षय तृतीया के लिए प्रस्तुत कर रहा है 'फिओरा' प्रकृति के खिलने से प्रेरित होकर बनाया नया कलेक्शन

मुंबई। तनिष्क परिवार के मिआ ने अक्षय तृतीया के लिए लॉन्च किया है - 'फिओरा'। फिर से नया करने की उमंग और समृद्धि के सम्मान में बनाया गया फिओरा - इन्स्पायर्ड बाय योर ब्लूम कलेक्शन हर महिला के जीवन के सफर की प्रशंसा करता है, खुद को अभिव्यक्त करने के सार, नयी शुरूआत और बसंत ऋतु की ऊर्जा को दर्शाता है। बसंत ऋतु में खिलने वाले पहले अंकुर की तरह हर महिला अपने समय में खिल उठती है और 'फिओरा' कलेक्शन उनकी वृद्धि और परिवर्तन के सफर को प्रतिबिंबित करता है।

'फिओरा' कलेक्शन में नाजुक फ्लोरल मोटिफ्स को जीवंत साकार किया गया है, बसंत ऋतु की ताज़गी और हर महिला के व्यक्तिगत विकास के सार को दर्शाने वाले जटिल डिज़ाइन इसमें शामिल हैं। सोने की फिलाग्री पंखुड़ियाँ, सुंदर परतदार पैटर्न, और मदर-ऑफ-पर्ल और रोज़ क्वार्ट्ज जैसे हाथ से तराशे गए नक्काशीदार स्टोन मिलाकर ऐसे आभूषण बनाए गए हैं जो सोफिस्टिकेशन और व्यक्तित्व का जश्न मनाते हैं। आधुनिक महिला के लिए डिज़ाइन किया गया, 'फिओरा' उनके जीवन के सफर का प्रतिबिंब है, परंपराओं का सम्मान करते हुए उन्हें आधुनिक तरीकों से व्यक्त करता है। इस कलेक्शन में हर रचना के पीछे की सच्ची प्रेरणा आज की महिला है।

14 और 18 कैरेट सोने में बनाया गया, सर्टिफाइड प्राकृतिक हीरों से बना यह कलेक्शन ऐसे बहुमुखी आभूषण प्रस्तुत करता है जिन्हें हर दिन पहना जा सकता है या अपनी दिल के करीब व्यक्ति को सोच-समझकर दिए जाने वाले उपहार के रूप में भी यह बेहतरीन है। नए और अनोखे डिज़ाइन में इयरकफ, ब्रूचेस हैं जिन्हें आप पेंडंट बनाकर भी पहन सकती है, वज़न में हलके इयररिंग्स, स्टैकेबल ब्रेसलेट्स, ट्रेंडी सुई-धागा और नाजुक रिंग्स भी इसमें हैं। 'फिओरा' कलेक्शन हर परिधान के अनुरूप है, हर दिन पहनना हो या त्यौहार पर, ये आभूषण आपको नयी शान प्रदान करते हैं।

कलेक्शन के बारे में, मिआ बाए तनिष्क की बिज़नेस हेड, सुश्री श्यामला रमणन ने कहा, आपका खिल उठना है मिआ 'फिओरा' की प्रेरणा, प्रकृति, फूलों और फूलों की रजाई, सूरज की ओर बढ़ते तने और हवा के संग नाचती तितलियों के बीच पिरोई हुई प्रकृति की कविता है यह कलेक्शन। हर आभूषण उन्हें सम्मानित करता है जो प्रकृति की तरह, लचीलेपन और चमक के साथ विकसित होते हैं। इस अक्षय तृतीया पर, हम आपको मिआ 'फिओरा' के साथ अपने अनूठे ब्लूम की खुशियां मनाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

जिनेवा में पहली बार नीलाम होगा भारत का मशहूर शाही हीरा, अनुमानित कीमत 300 से 430 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की शाही विरासत का ऐतिहासिक हीरा गोलकोंडा ब्लू 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज के मैग्नीफिसेंट ज्वेल्स सेल में पहली बार नीलामी के लिए रखा जाएगा। जिनेवा के फोर सीजन्स होटल डेस बर्गेस में यह नीलामी लाइव की जाएगी। पेरिस के मशहूर डिजाइनर जेएआर ने 23.24 कैरट के इस चमकीले ऐतिहासिक नीले हीरे को एक आकर्षक आधुनिक अंगूठी में जड़ा है। गोलकुंडा खदानों से खोजे गए इस हीरे पर कभी इंदौर व बड़ौदा के महाराजाओं का स्वामित्व रहा है।

क्रिस्टी के अंतरराष्ट्रीय आभूषण प्रमुख राहुल कडाकिया ने बताया, शाही विरासत संजोए हुए द गोलकोंडा ब्लू असाधारण रंग और आकार की वजह से दुनिया के दुर्लभ नीले हीरों में से एक है। यह नीलामी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका संबंध भारतीय राजघराने से है। इसकी उत्पत्ति वर्तमान में तेलंगाना की गोलकुंडा खदानों से हुई है जहां से दुनिया के प्रसिद्ध हीरों का खनन हुआ है। इसकी अनुमानित कीमत 300 से 430 करोड़ है। उन्होंने बताया कि अपने 259 साल के इतिहास में क्रिस्टी को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण गोलकोंडा हीरा पेश करने का सम्मान मिला है, जिसमें आर्चड्यूक जोसेफ, प्रिंसी और विटल्सबैक शामिल हैं।

शाहीवंश से होते हुए पहुंचा निजी हाथों में

द गोलकोंडा ब्लू पर कभी इंदौर के आधुनिकतावादी सम्राट महाराजा यशवंत राव होल्कर द्वितीय का स्वामित्व रहा। महाराजा होल्कर 1920 और 1930 के दशक में अपनी आधुनिक सोच और अंतरराष्ट्रीय जीवनशैली के लिए मशहूर थे। 1923 में महाराजा के पिता ने फ्रांसीसी घराने चौमेट से इस हीरे का कंगन बनवाया। इससे पहले उन्होंने उसी जौहरी से दो गोलकोंडा इंदौर पीयर्स हीरे भी खरीदे थे।

उन्होंने एक दशक बाद मौबौसिन को अपना आधिकारिक जौहरी नियुक्त किया, जिन्होंने शाही संग्रह को फिर से डिजाइन किया और इंदौर पीयर्स हीरों के साथ द गोलकोंडा ब्लू को एक आकर्षक हार में शामिल किया। 1947 में हीरे को न्यूयॉर्क के जौहरी हैरी विंस्टन ने खरीदा, जिन्होंने इसे समान आकार के एक सफेद हीरे के साथ एक ब्रोच में जड़ा। बाद में यह ब्रोच बड़ौदा के महाराजा के पास पहुंचा, जो निजी हाथों में जाने से पहले भारत के शाही वंश से होते हुए आगे बढ़ता रहा।

गूगल इंडिया को झटका, फेमा उल्लंघन केस में जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि जमा करने का निर्देश

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गूगल इंडिया और उसके तीन वरिष्ठ अधिकारियों को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन के लिए लगाए गए जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि बैंक गारंटी के रूप में जमा करने को कहा है।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गूगल इंडिया पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था, साथ ही तीनों अधिकारियों पर संयुक्त रूप से 45 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। यह मामला फेमा की धारा 6(3)(डी) के कथित उल्लंघन से जुड़ा है और इसमें करीब 364 करोड़ रुपये का लेनदेन शामिल है।

ईडी के अनुसार, गूगल इंडिया की ओर से गूगल आयरलैंड को वितरक शुल्क के रूप में किए गए भुगतान और गूगल यूएस से उपकरण अधिग्रहण में गड़बड़ी की गई है। एजेंसी ने दलील दी कि गूगल आयरलैंड को देय 363 करोड़ रुपए का भुगतान मई 2014 तक चार वर्षों से अधिक समय तक नहीं किया गया, जबकि गूगल यूएस से प्राप्त 1 करोड़ रुपए मूल्य के उपकरणों का भुगतान जनवरी 2014 तक सात वर्षों से अधिक समय तक नहीं किया गया।

ईडी ने इन्हें वाणिज्यिक ऋण के रूप में वर्गीकृत किया, जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता होगी। हालांकि, गूगल इंडिया ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उक्त लेनदेन विदेशी मुद्रा ऋण नहीं थे। इससे पहले, 11 जनवरी, 2019 को दिल्ली में एफईएमए के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह कहते हुए जुर्माने पर रोक लगा दी थी कि गूगल इंडिया की अपील में दम है। इसके बाद ईडी ने रोक को चुनौती देते हुए दूसरी अपील दायर की। न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रचैया की खंडपीठ ने कहा कि न्यायाधिकरण का स्थगन केवल प्रारंभिक राय पर आधारित था। उन्होंने अब गूगल इंडिया और संबंधित अधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर कुल जुर्माने की आधी राशि के लिए बैंक गारंटी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

क्रिसिल की रिपोर्ट: घरेलू मांग में सुधार और महंगाई घटने से खपत बढ़ेगी, जीडीपी को मिलेगी रफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार के प्रयासों और कई सकारात्मक घटनाक्रमों की वजह से देश की घरेलू मांग में सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं। बीते वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में रबी फसलों के बेहतर उत्पादन एवं महंगाई में नरमी से खपत यानी उपभोग मांग में और वृद्धि की संभावना है। क्रिसिल ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा, कुल मिलाकर टैरिफ वार के कारण उपजी वैश्विक अनिश्चितता के बीच ये कारक घरेलू अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने में मदद करेंगे।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2024-25 की दूसरी छमाही में पूंजीगत उत्पादों, बुनियादी ढांचे के सामान और निर्माण वस्तुओं के उत्पादन में बेहतर वृद्धि जैसे उच्च आवृत्ति संकेतक विकास की संभावनाओं को मजबूत बनाते हैं। जहां तक मांग में सुधार की बात है, तो इसमें विनिर्माण क्षेत्र में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के बेहतर प्रदर्शन का प्रमुख योगदान रहा है। दूसरी छमाही में विनिर्माण आईआईपी में मजबूत वृद्धि ने पेट्रोलियम उत्पादों, मशीनरी और कपड़ा जैसे क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने में मदद की है। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माण गतिविधियों और कंपनियों की ओर से पूंजीगत खर्च में वृद्धि भी घरेलू मांग में सुधार की पुष्टि करते हैं। रबी फसलों का स्वस्थ उत्पादन और महंगाई में कमी समेत ये सभी संकेतक बताते हैं कि अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही है।

टैरिफ जैसे बाहरी जोखिम निर्यात के लिए बड़ी चिंता: रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की ओर से जवाबी टैरिफ लगाना भारत के विकास परिदृश्य के लिए चिंता का विषय है। धीमी वैश्विक वृद्धि और 90 दिन के बाद भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाले टैरिफ जैसे बाहरी जोखिम निर्यात एवं निवेश को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर, जहां एक ओर अर्थव्यवस्था का घरेलू पक्ष सुधर रहा है, बाहरी जोखिम चुनौती बने हुए हैं।

गोल्डमैन सैश का दावा: टैरिफ वार और गहराने से बढ़ेगा जोखिम, साल के अंत तक 38 फीसदी महंगा हो सकता है सोना

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार नए रिकॉर्ड बना रही सोने की कीमतें व्यापार युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस साल के अंत तक 4,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच सकती हैं। यह मौजूदा भाव 3,247 डॉलर प्रति औंस से करीब 38 फीसदी अधिक है। यह दावा गोल्डमैन सैश ने किया है। वहीं, कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर के अनुरूप घरेलू बाजार में भी सोने की कीमत इस साल के अंत तक 1.30 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच सकती है। गोल्डमैन सैश ने इस साल सोने के दाम के लक्ष्य को तीसरी बार बढ़ाया है। इससे पहले लक्ष्य को बढ़ाकर 3,300 डॉलर प्रति औंस किया था। विदेशी फर्म ने कहा, सामान्य स्थिति में सोना 2025 के अंत तक बढ़कर 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। अमेरिकी और चीन के बीच व्यापार युद्ध गहराने से अगर जोखिम बढ़ता है, तो कीमती धातु 4,500 डॉलर प्रति औंस का स्तर छू सकती है। सोने की कीमतों में पिछले सप्ताह 6.5 फीसदी का उछाल देखने को मिला था, जो कोविड-19 के बाद सबसे अच्छा साप्ताहिक प्रदर्शन था।

देश से कटे एवं तराशे गए हीरे का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर करीब दो दशक के निचले स्तर पर आ गया। उद्योग निकाय ने कहा, अमेरिका और चीन में मांग घटने से निर्यात में बड़ी गिरावट आई है। रत्न-आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष के दौरान कटे एवं तराशे हीरे का निर्यात 16.8 फीसदी घटकर 13.3 अरब डॉलर रह गया। इससे रत्न-आभूषण निर्यात भी बीते वित्त वर्ष 11.7 फीसदी घटकर 28.5 अरब डॉलर रह गया, जो इसका करीब चार साल का निचला स्तर है।,,,,

संस्कारा रिसॉर्ट्स ने ओयो पर करोड़ों के जीएसटी धोखाधड़ी का आरोप लगाया

नईदिल्ली, एजेंसी। जयपुर के एक रिसॉर्ट ने ओयो के खिलाफ एफआई दर्ज कराई है। रिसॉर्ट का कहना है कि ओयो की वजह से उसे करोड़ों रुपये के जीएसटी नोटिस मिले हैं। उसने आरोप लगाया है कि ओयो ने गलत जानकारी दी, जिसके कारण उसे ये नोटिस मिले हैं। मदन जैन, जो संस्कारा रिसॉर्ट्स से जुड़े हैं, उन्होंने अशोक नगर पुलिस स्टेशन में यह शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि उन्हें 2.66 करोड़ रुपये का जीएसटी का कारण बताओ नोटिस मिला है। जैन ने एफआईआर में कहा है कि ओयो ने उनका टर्नओवर बढ़ाने के लिए हजारों फर्जी बुकिंग दिखाई हैं। एफआईआर में ओयो के संस्थापक और ग्रुप सीईओ रितेश अग्रवाल और अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। ओयो पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगे हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर का संस्कारा रिसॉर्ट्स ऑनलाइन बुकिंग और सीधे आने वाले ग्राहकों को सेवाएं देता है। संस्कारा और ओयो के बीच 18 अप्रैल, 2019 को 12 महीने का एक समझौता हुआ था। लेकिन, आरोप है कि ओयो ने वित्तीय वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए भी संस्कारा में बुकिंग दिखाई।

एफआईआर में कहा गया है कि 18 अप्रैल, 2019 से 20 अप्रैल, 2020 के बीच ओयो ने संस्कारा को 10.95 लाख रुपये का कारोबार दिया। रिसॉर्ट ने इस पर जीएसटी का भुगतान भी किया। लेकिन, ओयो ने संस्कारा के साथ 22.22 करोड़ रुपये का कारोबार दिखाया है।

चीन से सामान पर 145 प्रतिशत तक टैक्स, महंगाई बढ़ने की आशंका

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में अब सस्ते सामान मिलने मुश्किल हो सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ नियम से ऐसा हो सकता है। चीन से आने वाले सामान पर 145 प्रतिशत तक टैक्स लगने से चीजें महंगी हो जाएंगी। अमेरिका में मोबाइल, कपड़े, फर्नीचर और कार जैसी चीजें महंगी होने की आशंका है। फिलहाल भारत से आने वाले सामान पर 26 प्रतिशत टैक्स को जुलाई तक रोक दिया गया है। लेकिन, चीन के लिए ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे अमेरिका में सस्ते सामान का दौर खत्म हो सकता है। ट्रंप के समय से पहले अमेरिका में टैक्स 3 प्रतिशत से भी कम था, जो अब 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

ट्रंप के नए टैक्स नियम से अमेरिकी लोगों को अपनी जेब ढीली करनी पड़ सकती है। चीन से आने वाले सामान पर भारी टैक्स लगने से रोजमर्रा की चीजें महंगी हो जाएंगी। टेक्नोलॉजी के सामान पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है। ऐपल के कई प्रोडक्ट्स चीन में बनते हैं। नए टैक्स के कारण कंपनी को कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। यूबीएस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिस के अनुसार, आईफोन 16 प्रो मैक्स की कीमत 1,200 डॉलर से बढ़कर 1,550 डॉलर तक हो सकती है। यह लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। कंपनी दूसरे देशों में प्रोडक्शन करने की कोशिश कर रही है। फिर भी पिछले साल अमेरिका में बिकने वाले 80 प्रतिशत आईफोन चीन में ही बने थे।कारों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान है कि टैक्स के कारण कारों की कीमत में 4,500 डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। अभी एक कार की औसत कीमत लगभग 48,000 डॉलर है। सीएनएन के अनुसार, फेड के अधिकारियों को चिंता है कि व्यापार में तनाव के कारण बिजनेस में निवेश और लोगों का खर्च कम हो रहा है। इससे आर्थिक विकास धीमा हो सकता है और महंगाई बढ़ सकती है। अमेरिका में टैक्स की दरें 1940 के दशक के बाद सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले टैक्स की दरें बहुत कम थीं। अब चीन से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगने से कीमतें बढ़ेंगी। व्हाइट हाउस का कहना है कि भारत से आने वाले सामान पर टैक्स में छूट सिर्फ कुछ समय के लिए है।

घाना ने विदेशियों के देश में सोने के व्यापार पर प्रतिबंध लगाया, 1 मई से लागू होंगे नए नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। अफ्रीकी देश घाना ने विदेशियों को देश में सोने का व्यापार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब विदेशी लोग देश में खनन से निकाले गए सोने को खरीद या बेच नहीं सकेंगे। यह नया नियम एक मई से लागू होगा। इस बारे में सोमवार को घाना के नवनिर्मित नियामक निकाय-घाना गोल्ड बोर्ड ने घोषणा की।

एक बयान के अनुसार, अगर अब किसी को सोना खरीदना है, तो उसे नवनिर्मित घाना गोल्ड बोर्ड, जिसे गोल्डबॉड के नाम से भी जाना जाता है, से लाइसेंस लेना होगा। बयान में कहा गया है कि अगले महीने से गोल्डबॉड के अलावा कोई भी संस्था देश में सोने का व्यापार नहीं कर सकती है। इसमें कहा गया है कि जो कंपनियां पहले प्रिशियस मिनरल्स मार्केटिंग कंपनी से लाइसेंस लेकर सोने का व्यापार करती थीं, उनके लाइसेंस अब मान्य नहीं होंगे।

अब से देश में गोल्डबॉड ही सोने की खरीद करेगा

बयान में कहा गया है कि कानून के तहत, अब घाना गोल्ड बोर्ड ही देश में लाइसेंस प्राप्त छोटे स्तर पर खनन करने वाले खनिकों से सोना खरीदेगा। बोर्ड उस सोने का मूल्य जांचेगा और निर्यात करेगा। अगर कोई गोल्डबॉड के लाइसेंस के बिना ऐसा करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाई की जाएगी।

2 अप्रैल को राष्ट्रपति ने घाना गोल्ड बोर्ड को दी मंजूरी

पहले, निर्यात लाइसेंस प्राप्त स्थानीय और विदेशी कंपनियां भी घाना खनिकों से सोना खरीदकर विदेश भेज सकती थीं, लेकिन नया नियम लागू होने के बाद से ऐसा नहीं होगा। संसद ने 29 मार्च को घाना गोल्ड बोर्ड विधेयक पारित किया, जिसको 2 अप्रैल को राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने हस्ताक्षर कर अपनी मंजूरी दे दी और यह कानून बन गया।

सोने की तस्करी रोकने में मिलेगी मदद

गोल्डबॉड के प्रवक्ता प्रिंस क्वामे मिंका ने बताया कि ऐसा करने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार भरेगा। साथ ही सोने की तस्करी से निपटने में भी मदद मिलेगी। घाना के वित्त मंत्री डॉ. कैसियल एटो फोर्सन ने कहा कि यह नया बोर्ड घाना को सोने का व्यापार करने में मदद करेगा। बोर्ड सोना निकालने, शुद्ध करने, उसका मूल्य बढ़ाने और बेचने में भी मदद करेगा।

राष्ट्रपति चुनावों में भी गूंजा अवैध खनन का मुद्दा

बता दें कि घाना में अवैध खनन, जिसे गैलमसी के रूप में भी जाना जाता है, एक बड़ा मुद्दा है। पिछले साल घाना के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया था। इस मुद्दे के चलते निर्वतमान सरकार का खूब विरोध हुआ और उसे आलोचना का सामना भी करना पड़ा।

दुनिया का छठा सबसे बड़ा सोना उत्पादक देश है घाना

घाना दुनिया का छठा सबसे बड़ा सोना उत्पादक देश है, लेकिन हाल ही में अवैध खनन बहुत तेजी से बढ़ा है, जिससे नदियों और पर्यावरण को काफी मात्रा में नुकसान पहुंचा है। लोग आर्थिक तंगी के कारण रोजगार की तलाश में अवैध खनन के रास्ते को अपना रहे हैं। इस प्रथा पर रोक लगाने के लिए सरकार ने कदम उठाए और संसद में घाना गोल्ड बोर्ड विधेयक पारित किया।

बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री बुधवार को आएंगे रतलाम

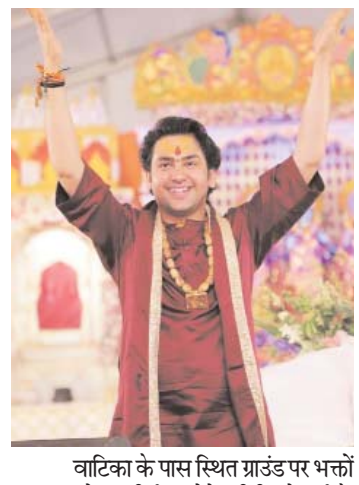

रतलाम। श्री बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री बुधवार को शहर में आएंगे। उनके आशीर्वचन शहर के बंजली चौराहे पर स्थित दयाल वाटिका के पास ग्राउंड में दोपहर 1-30 बजे से शुरू होंगे इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। 8 बीघा जमीन पर पंडाल बनाया जा रहा हैं इसमें श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था रहेगी कार्यक्रम स्थल के पास में ही वाहन पार्किंग व्यवस्था रहेगी। इस दौरान 700 से अधिक कार्यकर्ता व्यवस्था को संभालेंगे।

उल्लेखनीय है कि बागेश्वर धाम सरकार डीपी ज्वैलर्स के आग्रह पर पहली बार रतलाम आ रहें हैं। डीपी ज्वेलर्स के संतोष कटारिया ने बताया, रामचरितमानस और शिव पुराण के उपदेश के लिए प्रसिद्ध बागेश्वर धाम के पीठाधीश श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी हिन्दू धर्म के प्रचारक हैं। रतलाम में उनका पहला संबोधन है। डीपी ज्वेलर्स के अनिल कटारिया ने बताया कि नगर भ्रमण के दौरान सुबह श्री बागेश्वर धाम सरकार डीपी ज्वेलर्स के निजी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी अवसर पर बागेश्वर धाम में प्रस्तावित कैंसर हॉस्पिटल प्रोजेक्ट के विषय में गणमान्य नागरिकों से चर्चा करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 1.30 बजे से बंजली चौराहे पर स्थित दयाल वाटिका के पास स्थित ग्राउंड पर भक्तों को आशीर्वचन देंगे। डीपी ज्वेलर्स के विकास कटारिया ने बताया कि डीपी ज्वेलर्स द्वारा उनकी 85वीं वर्षगांठ व रतलाम में दुसरे शोरूम के शुभारंभ के उपलक्ष में आयोजित उत्सवों की श्रृंखला में यह आयोजन किया जा रहा हैं। इसका मुख्य उद्देश्य अपनी जन्मभूमि से मिलें विश्वास के लिए रतलाम वासियों को श्री बागेश्वर धाम सरकार के मुखारविंद से मिलने वाले आशीर्वाद का लाभ दिलाना हैं।उल्लेखनीय हैं कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के अंतर्गत डीपी ज्वेलर्स की गौ सेवा, डायलिसिस, वृद्धाश्रम सेवा, ब्लड डोनेशन, पौधारोपण व अन्य सभी सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागिता हैं!

गांव चलो बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत स्वच्छ अभियान

छिंदवाड़ा। गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत शक्ति केंद्र,वार्ड क्रमांक 36 स्न्न कॉलोनी के शिव मंदिर वाटर सप्लाई रोड चंदन गांव में साफ सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं चौपाल लगाकर मध्य प्रदेश सरकार की एवं केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बखान किया गया एवं योजनाओं को घर-घर जन जन तक कैसे पहुंचाएं इसके बारे में चर्चा की गई इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी के रूप में महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती गरिमा दामोदर, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पार्षद दिवाकर सदारंग, भाजपा नेता रोशन सिंगनापुरे, बृजेश बर्मन,दिनेश यादव,कुनाल पाल, चारु हिरडे,वामन राव सदारंग, दिव्यांशु लोखंडे, भाग्येश अलडक, गौतम लिखितकर ,विशाल जगदले, मन्नू यादव, भारतीय जनता पार्टी के दायित्व वान कार्यकर्ता दायित्व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नितिन बैहुणे वैश्य महासम्मेलन की पांढुर्णा जिला इकाई के अध्यक्ष मनोनीत

पांढुर्ना। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल द्वारा, प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झांझरी जी, प्रदेश महामंत्री मनीष अग्रवाल और प्रदेश मंत्री रमेश जाखोटिया की अनुशंसा पर, संगठन के ऊर्जावान और सक्रिय कार्यकर्ता पांढुर्णा निवासी नितिन बैहुणे को जिला ईकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। तदाशय की जानकारी देते हुए संभागीय अध्यक्ष नीरज भारद्वाज ने बताया कि संगठन की सक्रियता और विस्तार के लक्ष्य से यह विस्तार किया गया है। पांढुर्णा जिला बनने के बाद वहां संगठन की गतिविधियों में सक्रियता लाने के लिए उपयुक्त नेतृत्व की तलाश की जा रही थी। उम्मीद है कि बैहुणे अपनी सकारात्मक प्रयासों एवं सभी सदस्यों और पदाधिकारियों के सहयोग से पांढुर्णा जिले में संगठन मजबूत करने में सफल होंगे। उनकी पदस्थापना पर छिंदवाड़ा वरिष्ठ ईकाई के जिला अध्यक्ष अनिल सिंघई, कार्यकारी जिलाध्यक्ष जे पी नेमा, जिला मंत्री डॉ. महेश चांडक, तहसील अध्यक्ष बृजेश कालपीवार, मीडिया प्रभारी विकास वात्सल्य, मुकुंद अग्रवाल, मनोज बाकलीवाल, राजेश सोनी , विवेकानंद चौरसिया, कैलाश अग्रवाल, अंकित जैन बिछुआ, तहसील महामंत्री अखिलेश नेमा, मिलिन जैन उभेगांव, अमरवाड़ा तहसील प्रभारी अरुण नेमा बूटी, सुधीर कुमार जैन, महिला ईकाई की संभागीय प्रभारी श्रीमति, सविता पाटनी, संभागीय अध्यक्ष श्रीमति किरण जिला अध्यक्ष विशाल माहेश्वरी, छिंदवाड़ा ग्रामीण तहसील युवा ईकाई के प्रभारी शुभम साहू सहित कई सदस्यों और पदाधिकारियों ने बधाईयां प्रेषित की हैं।

कांग्रेस परिवार के सदस्यों ने की भेंट

छिन्दवाड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पप्पू यादव ने शहर के आनंद अस्पताल पहुंचकर सड़क हादसे में घायल हुए दीनानाथ दोईफोड़े से भेंट की। स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी लेने के उपरांत डॉक्टरों से चर्चा कर दोईफोड़े जी के स्वास्थ में आ रहे सुधार और अन्य जानकारियां ली। इस दौरान कांग्रेस परिवार के सदस्यगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पेश की चादर

अम्बेड़कर तिराहा स्थित कमली वाले बाबा की दरगाह पर चादर पेश कर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओकटे ने अमन-चैन की दुआ मांगी साथ ही सभी के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू यादव, कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फिरोज खान सहित अन्य कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

फासी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

छिंदवाड़ा। छुई के खेत में लगे पेड़ में फासी लगाकर

युवक ने की आत्महत्या जानकारी के अनुसार ग्राम छुई का रहने वाला क्रैश उईके प्रतिदिन की तरह खेत गया हुआ था लेकिन यहां लगे पेड़ में फांसी लगाकर उसमें आत्महत्या कर ली ग्रामीणों को जैसे ही जानकारी लगी तो उन्होंने मौके पहुंचकर अमरवाड़ा पुलिस को सूचित किया जिन्होंने पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा बनाकर पीएम के लिए भेजा तो मामला दर्ज किया।

पातालेश्वर धाम मंदिर परिसर स्थित जल कुंड में श्रमदान कर की साफ-सफाई

छिंदवाड़ा। हमारी पुरातत्व धरोहर को संरक्षित रखने के उद्देश्य से जिले के प्राचीन मन्दिर पातालेश्वर धाम शिव मंदिर परिसर में बने पुराने जल कुंड के संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर स्वच्छता दूतों ने चंद मिनटों हाथो में घुमेले पकड़े कुंड में पड़े कूड़ा कड़कट को एकत्र कर मानव चेंज बनाकर कल को बचाना है तो जल को बचाना होगा जैसे प्रेरणा दाई नारे लगाते हुए जन अभियान परिषद के जल स्वच्छता अभियान रविवार चलाया गया। यह पुनीत कार्य म.प्र.जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया गया।म.प्र.जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा द्वारा जिले के धार्मिक स्थल पातालेश्वर धाम मंदिर परिसर स्थित जल कुंड की साफ-सफाई कर अभियान चलाया गया।

सी.बी. सूर्यवंशी का निधन

छिंदवाड़ा। ओम आदित्य धाम रेसीडेन्सी एवं सत्यम शिवम कालोनी के बिल्डर सी.बी.सूर्यवंशी का आज सुबह ह्दय गति रूक जाने से निधन हो गया वे 70 वर्ष के थे कुछ दिनों से बीमार थे। सी.बी.सूर्यवंशी ने अपने जीवन की शुरूआत एल.आई.सी. एजेन्ट से प्रारम्भ की थी बाद में बिल्डर बने और नगर के जाने माने बिल्डर थे, उनके दो पुत्र है। उनकी अंत्येष्ठी में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लेकर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद विवेक साहू पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद ने उनके निधन पर शोक व्यक्त कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ आंबेडकर की 134 वी जयंती समारोह ....

भारतीय संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ लोकतांत्रिक संविधान: सुश्री उइके

महासभा द्वारा मेडिकल कॉलेज को डॉ आंबेडकर नाम दिए देने हेतु पूर्व राज्यपाल एवं सांसद को सौपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा छिंदवाड़ा नगर के स्थानीय डॉ आंबेडकर तिराहे पर ,डॉ बाबासाहब आंबेडकर की 134 वी जयंती समारोह का आयोजन किया गया सर्वप्रथम मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके, विशिष्ट अतिथि सांसद विवेक बंटी साहू ,कार्यक्रम अध्यक्ष एड रमेश लोखंडे प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा, पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह ,महापौर विक्रम आहके, जिला अध्यक्ष डॉ शेषराव यादव, साहित्यकार एस आर शेंडे , एड विजय मेंढे, विजय पांडे पार्षद, विजय झांझरी,भारत घई जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सभापति जगेंद्र अल्डक, समाजसेवी हेमकरण तीरगाम, कमलेश कुमार डेहरिया,वार्ड पार्षद संदीप सिंह चौहान,राकेश माइकल पहाड़े,सुभाष गोंडाने ,अनिल डेहरिया ,नीलेश मांडेकर, वसंता सोमकुवर,एड कृष्णराव कोचे,बबलू ठवरे,सुनील वासनिक ,नितेश उइके ,ममता लोखंडे अर्जुन नायक, नवीन डेहरिया संदीप गोलाइत,दीपक शिरशाम,प्रशांत तुमडाम, लालकृष्ण नागले,अभिषेक नवरेती, मोहित मानकर, हर्षित बेलवंशी ,ओमप्रकाश पहाड़े,नवनीत डेहरिया, सभापति राहुल बंटी उइके सभापति ,शेखर साखरे, नितिन साखरे, अभिषेक सहारे, आशीष इंदोरकर सहित कई जनप्रतिनिधि उपासक उपासिका एवं भीमसैनिको द्वारा डॉ आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तदुपरांत सांसद विवेक बंटी साहू कार्यकम अध्यक्ष एड रमेश लोखंडे द्वारा पंचशील ध्वजारोहण पश्चात् सामूहिक बुद्ध वंदना एवं संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया, समारोह का संचालन एड राजेश सांगोडे द्वारा किया गया ,भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा मेडिकल कॉलेज को डॉ आम्बेडकर का नाम,डॉ आंबेडकर प्रतिमा पर छत्री लगाए जाने ,सौंदर्यीकरण करने ,डॉ आंबेडकर प्रतिमा से व्ही आई पी रोड तक डॉ आंबेडकर मार्ग किये जाने ,सत्कार तिराहा नाम बदलकर डॉ आंबेडकर तिराहा नाम से किये जाने की मांगो का ज्ञापन सांसद विवेक बंटी साहू को सौपा गया जिस पर सांसद महोदय द्वारा प्रतिमा पर छत्री अतिशीघ्र लगाए जाने की घोषणा की एवं अन्य मांगो पर विचार करने का आश्वाशन दिया ,प्रस्तावित उध्बोधन प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश लोखंडे द्वारा दिया गया ,डॉ आंबेडकर जयंती समारोह पर मुख्य अतिथि महामहिम पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ,विशिष्ट अतिथि सांसद विवेक बंटी साहू,पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह ,महापौर विक्रम आहके ,साहित्यकार एस आर शेंडे जिला अध्यक्ष डॉ शेषराव यादव,पार्षद विजय पांडे द्वारा सम्बोधित किया अपने उध्बोधन में मुख्य अतिथि महामहिम पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके द्वारा कहा की डॉ आंबेडकर द्वारा शिक्षित बनो ,संघठित रहो ,एवं संघर्ष करो का बहुजनो को सन्देश दिया था उसका आचरण करने की आवश्यकता बताई , संवैधानिक पदों पर रहकर जनता की सेवा सहजता से करने के सेवाभाव के अनुभव को व्यक्त किया गया और भारतीय संविधान को विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान बताया ,सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा कहा की डॉ.बाबासाहेब आम्बेडकर द्वारा लिखे गए समतामूलक संविधान की बदौलत भारत आज एकता के सूत्र में बंधा है। मुल्क़ विकास के शिखर को छू रहा है भारतीय बौद्ध महासभा के मांगो के समर्थन में ,डॉ आंबेडकर प्रतिमा पर छत्री लगाए जाने ,सौंदर्यीकरण करने एवं मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा को डॉ आंबेडकर का नाम दिए जाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखने की बात कही,कार्यक्रम अध्यक्ष एड रमेश लोखंडे द्वारा कहा की डॉ.बाबासाहब केवल संविधान निर्माता ही नहीं बल्कि उच्च कोटी के दार्शनिक, लेखक, इतिहासकार, प्रखर सांसद,अर्थशास्त्री थे। वें 9 भाषाओं के ज्ञाता थे।उन्होंने विश्व के श्रेष्ठतम यूनिवर्सिटी से 32 उच्च कोटि की डिग्रियां हासिल की थी।आज डॉ बाबासाहब आंबेडकर को विश्व के लिए सिंबल ऑफ़ नौलेज बताते हुए मेडिकल कॉलेज को डॉ आंबेडकर का नाम दिए जाने की मांग की, पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी चंद्रभान सिंह द्वारा कहा की बाबासाहब आम्बेडकर ने भारतीय जनमानस में क्रांति की अलख जगाई। डॉ शेषराव यादव द्वारा कहा की बाबासाहब ने महिलाओं, युवाओं, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के हितों को ध्यान में रखकर संविधान में अनेकों प्रावधान किये साहित्यकार एस आर शेंडे द्वारा कहा दुर्भाग्य से आज भी लोकतांत्रिक,संसदीय शासन व्यवस्था होने के बावजूद देश व समाज कुछ कट्टरपंथी संकीर्ण मानसिकता से ग्रसित वर्ग के क्रियाकलापों से भ्रमित हो रहा है।जिससे सावधान रहने की जरूरत बताई समारोह पर उपस्थित मुख्य अतिथि सुश्री अनुसुईया उईके को भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा संविधान निर्माता डॉ बाबासाहब आंबेडकर का छायाचित्र

भेट किया, डॉ आंबेडकर जयंती समारोह पर उपस्थित अतिथियों का आभार एवं समापन प्रदेश उपाध्यक्ष एड रमेश लोखंडे द्वारा किया गया।

भाजपा राममंदिर नगर मंडल तीन में मनाया गया डॉ अम्बेडकर का अवतरण दिवस

छिंदवाड़ा। संविधान निर्माता , भारतरत्न डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर छिंदवाड़ा भाजपा नगर मंडल तीन के वार्ड क्रमांक 35 इमलीखेड़ा वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाया गया, तत्पश्चात वार्ड में मार्गो पर पदयात्रा निकल कर डॉ अम्बेडकर जी के नारे लगाए गए चौपाल लगा कर आम जन की बात सुनी गई ।नगर मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर ,पूर्व उपाध्यक्ष पंकज पाटनी उपस्थिति में इमली खेड़ा चौक पर डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि की है, मंडल अध्यक्ष नवीन बारस्कर ने अंबेडकर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके द्वारा निर्मित संविधान से देश में लोकतंत्र की जड़े मजबूत हुई है, और दलित ,आदिवासी , पिछड़े और शोषित वर्ग का सम्मान बढ़ा और समाज में बराबरी का दर्जा हासिल हुआ है।इस अवसर पर रामेश्वर ठाकरे,घनश्याम पाटिलकर, त्रिलोक राउत, रोहित माहोरे, योगेश साहू,नितिन राउत, निशांत दाडे मोहित बुनकर, साहू, सहित समस्त

कार्यकर्ता उपस्थित थे

नुन्हारिया मेहरा ने बाबा साहेब अम्बेडकर की 134वीं जयंती

छिंदवाड़ा। विश्वरत्न, संविधान निर्माता, समतामूलक समाज की परिकल्पना को साकार करने वाले महापुरुष डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती के शुभ अवसर पर आज प्रातः 9ः45 बजे छिंदवाड़ा स्थित स्थानीय आंबेडकर तिराहा पर नुन्हारिया मेहरा समाज युवा द्वारा एक भव्य श्रद्धा सुमन पुष्प एवं अर्पित कर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों के साथ-साथ युवा शक्ति की भी सशक्त भागीदारी देखने को मिली।

आम आदमी पार्टी ने मनाई अंबेडकर जयंती

छिंदवाड़ा -आम आदमी पार्टी जिला इकाई छिंदवाड़ा द्वारा संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की 134 वीं जयंती के अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष राजू पाण्डे सत्कार तिराहा पहुॅचकर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और बाबा साहब अमर रहे का जय घोष करते हुये बाबा साहब के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया । इस अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष राजू पाण्डे, वरिष्ठ कार्यकर्ता अशोक विश्वकर्मा, वीरेंद्र विश्वकर्मा, दीपक पवार एवं सतीश राजपूत रफीक खा सूरज मौर्य अरुण चोरे रसीद खान राहुल गढ़ेवाल सहित अन्य महिला कार्यकर्ता उपस्थित थी ।

बूथ क्रमांक 33 अंबेडकर की जन्म जयंती मनाई

भारतीय संविधान के जनक भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर प्रत्येक बूथ जन्म जयंती का कार्यक्रम संपन्न कराना था इसी के अंतर्गत शक्ति केंद्र क्रमांक 36 के बूथ क्रमांक 33 भारतीयजनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब का जन्मदिवस दीप प्रज्वलन कर मनाया इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 36 के का साधारण भाजपा नेता रोशन सिंगनापुरे अध्यक्ष बृजेश वर्मन, कुणाल पाल, वामनराव सदारंग, सदारंग,दिव्यांशु लोखंडे, मन्नू यादव मातृ शक्तियां एवं बच्चे उपस्थित रहे

संत रविदास समाज संगठन ने अंबेडकर का जन्मोत्सव मनाया

छिंदवाड़ा - आज दिनांक 14.4.2025 दिन सोमवार को गुरु रविदास धाम वार्ड नं 23 खिरकापुरा में भारत रत्न भीमराव अम्बेडकर जी का जन्मोत्सव पर्व बड़ी श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से मनाया गया। रविदास समाज संगठन के अध्यक्ष श्याम डोले ने बताया कि आज सुबह 11 बजे गुरुधाम रविदास महाराज जी के मंदिर प्रांगण में सर्व प्रथम गुरु रविदास जी की आरती अरदास की गई। तत्पश्चात समाज के वरिष्ठ एवं मातृशक्ति तथा बच्चों की उपस्थिति में अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उनके भारतीय समाज में उनके योगदान को याद किया गया। इसके पश्चात समाज के द्वारा दोपहिया वाहन रैली निकाली गई जो कि शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए सीधे अंबेडकर चौक पहुंची।

भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन...

कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है, इन्हीं के परिश्रम और प्रयासों का नतीजा है कि आज भाजपा विश्व की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी बन गई :सांसद

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद और भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए समर्पित पार्टी है: शेषराव यादव

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी की छिंदवाड़ा विधानसभा का सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन स्थानीय पूजा लॉज में सांसद विवेक बंटी साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं भाजपा जिला प्रभारी संतोष पारिक की उपस्थिति में सोमवार को सम्पन्न हुआ।

सांसद विवेक साहू ने कहा कि सक्रिय सदस्यों के कांधों पर पार्टी की जिम्मेदारी है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है, इन्हीं के परिश्रम और प्रयासों का नतीजा है कि आज भाजपा विश्व की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जो योजनाएं देश भर में संचालित की जा रही है उसका सीधा लाभ देश के गरीबो को मिल रहा है। सांसद श्री साहू ने कहा की जो कार्य पिछले 70 सालो में नहीं हो सके वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 11 साल में ही पूरे हो गये है। उक्त आशय के उद्गार छिन्दवाड़ा स्थित पूजा लॉज में विधानसभा के सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने व्यक्त किये। सम्मेलन में सांसद श्री साहू ने सक्रिय सदस्यों से आह्वान किया कि वे निरंतर जनता की सेवा में लगे रहें। सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने में मदद करे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा करने में लगे हुए है, उनके बीते हुए 11 साल के कार्यकाल में बहुत सी उपलब्धियों देखने को मिली है। उनकी उपलब्धियों में धारा 370, वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम, भगवान श्री राम का मंदिर, अंत्योदय के तहत मुफ्त राशन, प्रधान मंत्री आवास, आयुष्मान जैसी मुफ्त चिकित्सा योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल है।

भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और भाजपा सतत रूप से जनकल्याण के लिए कार्य कर रही है । उन्हीं की मेहनत का परिणाम है कि आज मध्य प्रदेश सहित देश भर में इतनी बड़ी संख्या में हमारे विधायक और सांसद जीत कर आये है।लोकसभा, विधानसभा और नगरीय निकायों में भारतीय जनता पार्टी के सर्वाधिक निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं। श्री यादव ने कहा कि स्थापना काल से लेकर के अब तक पार्टी की उल्लेखनीय गतिविधियों, प्रमुख नेताओं और उनके कार्यकाल में की गई उल्लेखनीय उपलब्धियां को विस्तार से कार्यकर्ताओं को बताया। श्री यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अन्य राजनीतिक दलों से भिन्न है। अन्य राजनीतिक दल परिवारवाद, जातिवाद की राजनीति करते हैं जबकि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद और भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए समर्पित पार्टी है।

तेज हवा व बारिश से मकान क्षतिग्रस्त

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के नगर पालिका वार्ड क्रमांक 11 में बीती रात करीबन 3ः00 बजे तेज हवा एवं बारिश के कारण लखन साहू का मकान क्षतिग्रस्त हो गया। छत गिरने से परिवार को भारी नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। वार्ड पार्षद पवन सूर्यवंशी को जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, वे तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रशासन को घटना की सूचना दी और पीड़ित परिवार को तुरंत सहायता प्रदान करने की मांग की। एवं सूर्यवंशी ने आश्वासन दिया कि वे पीड़ित परिवार की सहायता हेतु हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों को यथाशीघ्र राहत एवं मुआवजा प्रदान किया जाए ।

बाबा साहब डॉ अंबेडकर की जयंती पर न्याय व्यवस्था में जजों के खिलाफ भी कठोर कानून की मांग

छिंदवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू के नेतृत्व में बहुत से धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने सविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर,जिले के सांसद और जिला कलेक्टर

को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर न्यायधीशों पर भी दण्ड का कानून बने माँग की ज्ञापन में बताया कि - न्याय सबके लिए सस्ता, सुगम और सरल हो यह सविधान में प्रदत्त है। आज भी मेरे जैसे लोग न्यायालय को न्याय मंदिर कहते हैं और न्यायाधीश को भगवान का दर्जा देते हैं । पर कुछ दिनों में ऐसे मामले प्रकाश में आये जिससे आम लोगों का विश्वास न्याय व्यवस्था के प्रति कम हो रहा है। सर्वप्रथम, इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश शुक्ला के पास आय से अधिक संपत्ति का मामला , इलाहाबाद हाईकोर्ट के कार्यरत न्यायाधीश राम मनोहर मिश्रा की टिप्पणी , कि महिला के प्राइवेट पार्ट्स का छूना और उसके पजामे की डोरी खोलना बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता एवं दिल्ली हाइकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से लगभग 800 करोड़ रुपये के जले नोट मिलना ; यह सब घटनाक्रम लचर और भ्रष्ट न्याय व्यवस्था की पोल खोलता है। इसके पूर्व गुजरात के गृहमंत्री और देश के वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह पर भी जबरन मुकदमा दायर कर उनके राजनीतिक भविष्य से खिलवाड़ किये जाने का असफल प्रयास किया गया । ऐसे अनगिनत मामले हैं

स्वाभाविक मृत्यु को दुर्घटना बताकर निकाले चार-चार लाख रुपये, एफआईआर दर्ज

संबल योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा,

छिंदवाड़ा/चौरई। मध्यप्रदेश सरकार की संबल योजना में एक और चौंकाने वाला फर्जीवाड़ा सामने आया है। नगर पालिका परिषद में चौरई क्षेत्र की एक महिला की स्वाभाविक मृत्यु को दुर्घटना बताकर चार लाख रुपये की सहायता राशि निकाल ली गई। पीड़िता की शिकायत पर चौरई पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।सरकार की संबल योजना के तहत सामान्य मृत्यु पर दो लाख और दुर्घटना जनित मृत्यु पर चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। लेकिन इस योजना का लाभ लेने के लिए मृतक की पीएम रिपोर्ट, एफआईआर व अन्य दस्तावेज जरूरी होते हैं। मामले में पीड़िता माला वर्मा ने आरोप लगाया है कि उसके पति रामकिशन की 24 मई 2023 को स्वाभाविक रूप से मृत्यु हुई थी। पड़ोसी प्रयास शर्मा ने संबल योजना का लाभ दिलाने का झांसा देकर खाता खुलवाया, चेकबुक और दस्तावेज अपने पास रख लिए। इसके बाद फर्जी तरीके से दुर्घटना में मौत दिखाकर योजना के तहत चार लाख की राशि खाते में डलवाई, लेकिन माला वर्मा को केवल 50 हजार रुपये ही दिए। पुलिस ने इस मामले में आरोपी प्रयास शर्मा और अंशुल चौरसिया के खिलाफ धोखाधड़ी और सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी करने का प्रकरण दर्ज किया है।

नायब तहसीलदार की जांच में सामने आई सच्चाई

एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार रूही खान द्वारा की गई जांच में पुष्टि हुई कि रामकिशन की मौत स्वाभाविक थी, लेकिन कागजों में उसे दुर्घटना बताया गया। इस मामले में अब तक केवल कंप्यूटर ऑपरेटर को दोषी ठहराया गया है, जबकि योजना शाखा प्रभारी और मुख्य नगर पालिका अधिकारी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

पहले भी हो चुका है ऐसा घोटाला

इससे पहले चौरई में ही एक अन्य प्रकरण में ममता ठाकुर की कैंसर से मौत के बावजूद उसे दुर्घटना बताकर चार लाख रुपये की राशि निकाल ली गई थी। इस पूरे मामले में अंशुल चौरसिया का नाम सामने आया था।वहां भी पीएम रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज फर्जी पाए गए थे। प्रार्थी चौरई निवासी उमेश ठाकुर पिता स्व. श्याम ठाकुर ने बताया कि छह माह पूर्व उसकी मां ममता ठाकुर का देहांत हो गया था। प्रार्थी ने नगरपालिका चौरई में संपर्क किया और संबल में पंजीयन होने की जानकारी मांगी। इस पर संबंधित शाखा के अंशुल चौरसिया ने बताया कि मृतक का संबल योजना का पंजीयन नहीं है।

किसी भी राजनीतिक दल को संविधान से छेड़छाड़ नहीं करने देंग: नकुलनाथ

जय भीम के नारों से गूंज उठा अम्बेड़कर तिराहा

छिन्दवाड़ा। भारत वर्ष के संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, भारत रत्न, श्री बाबा साहेब भीमराव अम्बेड़कर जी की 134 वीं जयंती पर जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने अम्बेड़कर तिराहा पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत्-शत् नमन किया। उपस्थित जनों को संविधान निर्माता के जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समस्त उपस्थित जनों ने भी बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें हदृय से याद किया व जय भीम के गगन भेदी नारों से उदघोष किए। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नकुलनाथ ने कहा कि हमारे लिए सबसे बड़े गौरव का विषय यह है कि बाबा साहब के द्वारा लिखित संविधान में सभी को समानता व न्याय का अधिकार मिला है। सभी के लिए एक जैसा कानून व नियम है। यही वजह है कि हमारे देश के संविधान की नकल अन्य देशों ने भी की है। ऐसे संविधान को बदलने का प्रयास सतत जारी है जो चिंता का विषय है। किन्तु कांग्रेस के रहते कोई भी राजनीतिक दल संविधान से छेड़छाड़ नहीं कर सकता। कांग्रेस अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। अपने सारगर्भित उदबोधन में नकुलनाथ ने आगे कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेड़कर केवल संविधान निर्माता नहीं बल्कि समाज सुधारक भी थे, उन्होंने समाज में फैली अनेकों कुरीतियों को मिटाने का कार्य किया है। भारत का संविधान हमारे देश की एकता अखंडता व साम्प्रदायिकता सद्भाव की भावनाओं से ओतप्रोत एक ग्रंथ है जिसकी रक्षा करना हमारा प्रथम दायित्व है। उन्होंने अंत में स्वयं व माननीय कमलनाथ जी की ओर से उपस्थित जनों को बाबा साहब के जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग एवं शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित भव्य कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य व राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त गुरुचरण खरे ने अपने उदबोधन में कहा कि बाबा साहब के उपरांत मप्र में एसटी समाज की चिंता अगर सबसे अधिक कोई करता है तो वह कमलनाथ व नकुलनाथ है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज मैं यहां खड़ा हूं और जिन पदों पर हूं वह कमलनाथ एवं नकुलनाथ की देन है। बाबा साहब भीमराव अम्बेड़कर की जयंती पर डेहरिया समाज के द्वारा शहर में रैली निकाली गई जिसका राजीव कांग्रेस भवन के समक्ष कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग व शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। समता विहार से निकाली गई यात्रा का भी कांग्रेस के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, पांढुर्ना जिला प्रभारी गंगा प्रसाद तिवारी आनंद बक्षी, सविता कनोजिया, संतोषी गजभिये, राहुल मालवी, इनोद कामले, ममतेश बेलवंशी, महेश जम्बूरे, साधना चंदेल, रोशन इंगले, आशा आम्रवंशी, रामकली रेणु तिवारी व सपना वर्मा सहित कांग्रेस के समस्त विभाग, प्रकोष्ठ व अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारीगण व कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चौरई में आयोजित हुए मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से हुआ 508 जोड़ों का विवाह

छिंदवाड़ा। प्रधामनमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में गरीबों तक शासन की योजना कैसे पहुंचे इसका काम किया जा रहा है। गरीब के कल्याण के लिए निकली योजना में कन्यादान योजना भी महत्वपूर्ण है। पहले गरीब को बेटी के विवाह की सम्मान के साथ करने की चिंता रहती थी। इस योजना से सम्मान के साथ गरीब अपनी बेटी का विवाह कर पा रहा है। उक्त आशय के उद्गार चौरई के स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह समारोह को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि गरीब के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री विवाह एक महत्वपूर्ण योजना है। इससे गरीब भी अपनी बेटी का विवाह बाजे गाजे और धूमधाम से सम्मान के साथ कर पा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने नव विवाहित जोडों को शुभकामनाएं दी और उन पर फूल बरसाए। चौरई के स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सोमवार को 508 जोडों ने एक दूसरे का हाथ थामा। इसमें 3 निकाह सहित 273 आदिवासी समाज के जोड़ों एवं 232 अन्य समाज के जोडों के भी विवाह हुए। चौरई में पहली बार इतनी बडी संख्या में मुख्यमंत्री कन्यादान कल्याण योजना से विवाह हुए है।

प्रतिकात्मक चैक प्रदान किये

कार्यक्रम में सांसद बंटी विवेक साहू ,भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, विधायक सुजित चौधरी,पूर्व विधायक रमेश दुबे, विधानसभा प्रभारी लखन वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सभी 508 जोड़ों को प्रतिकात्मक चैक प्रदान किये। जिसमें प्रत्येक जोड़ों 49 हजार के प्रतिकात्मक चैक दिये गये। जिसमें कुल 2 करोड़ 48 लाख 92 हजार की सहायता राशि नवविवाहित जोड़ों प्रदान की गई।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपनी दिल्ली प्रवास के दोरान केंद्रीय स्वास्थ मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेट की ओर ग्रामीण छेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए विस्तार से सार्थक चर्चा भी।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हुआ तो लाइसेंस रद्द: सुप्रीम कोर्ट

सभी राज्य नवजात तस्करी के मामले 6 महीने में निपटाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नवजात शिशु तस्करी के एक मामले में यूपी सरकार फटकार लगाई और राज्यों के लिए कुछ जरूरी नियम जारी किए। कोर्ट ने कहा- अगर किसी हॉस्पिटल से नवजात की तस्करी होती है तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए। डिलीवरी के बाद बच्चा गायब होता है तो हॉस्पिटल की जवाबदेही होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- देशभर के सभी हाईकोर्ट अपने राज्यों में बच्चों की तस्करी से जुड़े लंबित मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट मंगवाएं। सभी की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करें। केस में हर दिन सुनवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट नवजात तस्करी के उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश के एक दंपती ने 4 लाख रुपए में तस्करी किया गया बच्चा खरीदा। क्योंकि उन्हें बेटा चाहिए था। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया।

रविन्द्र भवन गौरांजलि सभागार में कल्कि तू कहा है स्वामी प्रणवानंद सरस्वती की जीवन गाथा पर मेजर जनरल जी डी बक्षी द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन जिसमें मनोज श्रीवास्तव राज्य निर्वाचन आयुक्त मुख्य अतिथि श्री राम तिवारी निर्देशक विक्रम आदित्य शोध पीठ संस्थापक उज्जैन विशिष्ट अतिथि डॉ विकास दवे निर्देशक साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश शासन मौजूद थे।

एमपी में कल से लू चलेगी, ग्वालियर-चंबल सबसे गर्म रहेंगे

पूर्वी हिस्से में आज हल्की बारिश, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तेज गर्मी रहेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश में 16 अप्रैल से हीट वेव यानी, लू का असर शुरू होगा। इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और चंबल संभाग के जिलों में लू चलेगी। इससे पहले मंगलवार को पूर्वी हिस्से के 7 जिले- शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा में हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में मंगलवार को गर्मी का असर तेज रहेगा। यहां पारा 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। बारिश और आंधी की गतिविधियों में थोड़ी कमी आएगी।

रतलाम में पारा 42 डिग्री रहा

प्रदेश में सोमवार को भी मौसम के दो रंग देखने को मिले। पांढुर्णा, बैतूल, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिंगरौली, अनूपपुर, सीधी, सिवनी, रीवा आदि जिलों में बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई है। दूसरी ओर, प्रदेश के बाकी के हिस्से में गर्मी का असर रहा। रतलाम में दिन का तापमान सबसे ज्यादा 42 डिग्री दर्ज किया गया।

शाजापुर-धार में पारा 41 डिग्री, खंडवा में 40.5 डिग्री और नर्मदापुरम में 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन सबसे गर्म रहा। यहां पारा 41 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 39.5 डिग्री, इंदौर में 39.7 डिग्री, ग्वालियर में 37.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

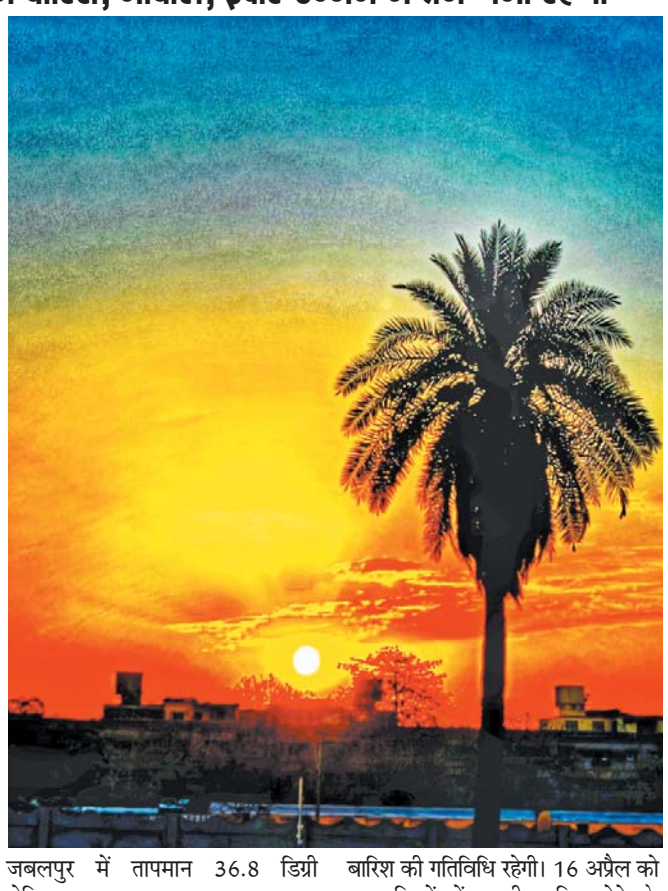

16 अप्रैल को मौसम के दो रंग दिखेंगे- मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया कि अगले 2 दिन तक बारिश की गतिविधि रहेगी। 16 अप्रैल को कुछ जिलों में हल्की बारिश होने के आसार हैं, जबकि 11 जिलों में लू का अलर्ट है। 17 और 18 अप्रैल को भी लू चलने की संभावना है।

ऐसा रहेगा अप्रैल का दूसरा पखवाड़ा

तीसरा सप्ताह-उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है।

चौथा सप्ताह-उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक यानि 27 से 30 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। दिन के साथ रातें भी गर्म हो जाएंगी। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में पारा 43-45 डिग्री जबकि इंदौर, उज्जैन-भोपाल सहित बाकी प्रदेश में 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता है। बंगाल क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अप्रैल के आखिरी में 3 से 4 दिन तक लू का असर रह सकता है।

पहले-दूसरे सप्ताह में तेज गर्मी और बारिश

अप्रैल के पहले और दूसरे सप्ताह में तेज गर्मी और बारिश का दौर बना रहा। पहले सप्ताह में सभी संभागों में सामान्य से 2-3 डिग्री ज्यादा 21-24 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, दिन में पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान इंदौर, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से ज्यादा 39 से 44 डिग्री तक पहुंच गया। उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर समेत बाकी संभागों में यह 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पहले सप्ताह रतलाम में लू चल चुकी है। वहीं, बाकी शहरों में गर्म हवाओं से गर्मी बढ़ी रही।

दूसरे सप्ताह में पूरे प्रदेश में तेज आंधी, बारिश, ओले और गरज-चमक की स्थिति बनी रही। प्रदेश के 80 प्रतिशत हिस्से में बारिश हुई। दूसरी ओर, कुछ जिलों में गर्मी का असर भी रहा।

मध्यप्रदेश पुलिस एवं हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मंत्रालय में हुआ तीन दिवसीय 'ध्यान सत्र' संपन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस एवं हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मंत्रालय (वल्लभ भवन) में तीन दिवसीय (12 से 14 अप्रैल) ÷ध्यान सत्र ÷ का प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ।

हार्टफुलनेस टीम ने पुलिसकर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य, एकाग्रता एवं मानसिक लाभ के लिए विभिन्न उपायों से अवगत कराया। यह भी बताया कि ध्यान को अपने जीवन का अमूल्य हिस्सा बनाएं, जिससे खुद भी स्वस्थ रहे एवं अपने परिवार को भी निरोगी रख सकें। इस दौरान हार्टफुलनेस टीम द्वारा विभिन्न ऑडियो-वीडियो विजुअल एवं प्रैक्टिकल सेशंस लिए गए। ÷ध्यान सत्र÷ का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को दैनिक जीवनचर्या में मानसिक शांति, एकाग्रता तथा आंतरिक संतुलन प्राप्त करने में सहायता प्रदान करना था।

इस अवसर पर मंत्रालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री अविनाश शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) एवं संस्थान के मास्टर ट्रेनर श्री प्रभाकर दास, श्रीमती संगीता दास, श्री अरविन्द एवं डॉ. नील सहित वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विंध्याचल के समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

महापौर मालतीराय ने स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महापौर हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया।

देवास मंदिर विवाद में विधायक पुत्र समेत 7 पर केस

पुजारी बयान से पलटे, कहा-MLA के बेटे का लेना-देना नहीं; कांग्रेस बोली-ये हिंदू औरंगजेब

इंदौर। इंदौर-3 विधानसभा सीट से भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष द्वारा देवास माता मंदिर पर पुजारी से मारपीट के विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। शनिवार को कोतवाली थाने पर आवेदन देने के बाद पुजारी परिवार ने विधायक पुत्र के नाम का जिक्र कर मारपीट के आरोप लगाए थे। लेकिन अब उन्होंने कहा है कि मामले से विधायक पुत्र का लेना-देना नहीं है। उधर, पुलिस ने सोमवार देर रात रुद्राक्ष समेत 7 आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया। इनमें इंदौर के अमन शुक्ला, हनी, उज्जैन के लोकेश चंदवानी, मनीष तेजवानी, अनिरुद्ध सिंह पंवार और देवास के जीतू रघुवंशी के नाम शामिल हैं। वहीं, कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने आरोपियों को हिंदू औरंगजेब कहा है। दरअसल, विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला 11 अप्रैल की आधी रात को करीब एक दर्जन वाहनों में अपने साथियों को लेकर देवास की माता टेकरी पहुंचे थे। आरोप है कि मंदिर बंद होने के बावजूद इन लोगों ने पुजारी से जबरन पट खोलने की मांग की।

भारत और नेपाल की कॉल गर्ल्स पुलिस की रेड में पकड़ी

पश्चिम बंगाल-चंडीगढ़, यूपी की लड़कियां दिल्ली से पहुंची ग्वालियर

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के सिटी सेंटर स्थित होटल स्मार्ट हवेली इन गेस्ट हाउस में भारत और नेपाल की कॉल गर्ल्स पुलिस की रेड में पकड़ी गईं। देह व्यापार का पूरा अड्डा नेपाल की लड़की चला रही थी, जबकि कॉल गर्ल्स को लाने का काम होटल का मैनेजर दीपक वर्मा करता था।

दीपक अभी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है, लेकिन होटल से पकड़ी गई कॉल गर्ल्स ने हवालात में महिला पुलिस अधिकारियों को बताया कि उन्हें पता था कि वे ग्वालियर सेक्स रैकेट के लिए लाई जा रही हैं।वे अपने-अपने शहर और प्रदेशों से पहले दिल्ली लाई गईं और वहां से ग्वालियर भेजा गया। अब इन कॉल गर्ल्स को होटल मैनेजर ने किस एजेंट के माध्यम से बुलाया, यह जानकारी उसके पकड़े जाने के बाद ही मिल पाएगी।हर कॉल गर्ल को एक ग्राहक के बदले 700 रुपए दिए जाते थे। जो भी राशि 700 रुपए से अधिक होती, वह होटल वालों के हिस्से में जाती थी।

जितनी उम्र कम, उतना रेट हाई- जब एक पुलिसकर्मी कस्टमर बनकर होटल पहुंचा, तो रिसेप्शन पर बैठी नेपाली लड़की अनीता सुनार ने उसे एक एलबम दिखाया, जिसमें लड़कियों की तस्वीरें थीं। उसने पूछा कि किस उम्र की लड़की चाहिए।जब ग्राहक ने रेट पूछा तो बताया गया कि यहां 19 से 24 साल तक की लड़कियां उपलब्ध हैं। उम्र जितनी कम, रेट उतना ज्यादा।

भाजपा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संकल्प को पूरा करने का काम कर रही: निलेश भारती जिलाध्यक्ष

धार। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भाजपा द्वारा देश भर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है । भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने बाबा साहब की जयंती के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा त्रिमूर्ति चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम को संबोधित किया एवं मिठाई बाटी गई । इस दौरान अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा, मंडल अध्यक्ष विशाल निगम, जयराज देवड़ा, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, मनीष प्रधान, , दीपकसिंह रघुवंशी, हुकुम लश्करी, कालीचरण सोनवानिया, देवेंद्र रावल, सोनिया राठौड़ सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं मोर्चे के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने सोमवार को त्रिमूर्ति चौराहे पर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भारती ने कहा कि आज बाबा साहब की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हु। यह उन्हीं की प्रेरणा है कि देश आज सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से जुटा हुआ है । उनके सिद्धांत एवं आदर्श आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को मजबूती और गति देने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संकल्प को पूरा करने का काम किया है। भाजपा ने बाबा साहब की जन्मस्थली को तीर्थ के रूप में विकसित किया है। भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी दीपकसिंह रघुवंशी ने बताया कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर बाबा साहब की प्रतिमा स्टाल पर साफ सफाई कर प्रतिमा का दुग्धाभिषेक किया गया ।

भाजपा द्वारा जिले के सभी 18 मंडलों सहित जिला मुख्यालय पर भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिला मुख्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा जनों ने डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा व सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी ने दी।

गर्मी में मटकों की मांग बढ़ी,100 से 300 रुपए में मिल

- बाजार में, गुजराती मटके भी उपलब्ध

भोपाल। अप्रैल के पहले सप्ताह से ही तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया है। इस भीषण गर्मी में लोग प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखने के लिए मटकों का सहारा ले रहे हैं। देवास रोड और बियावानी चौराहे पर मिट्टी के मटकों की खरीदी बढ़ गई है। काली मिट्टी और बालूरेती से बने मटकों के अलावा इस बार गुजराती मटके भी बाजार में आए हैं।

दुकानदार टीना प्रजापति के अनुसार, काले मटके काली मिट्टी और लाल मटके बालू रेती से बनाए जाते हैं। दोनों प्रकार के मटकों में पानी समान रूप से ठंडा रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि फ्रिज के पानी की तुलना में मटके का पानी स्वास्थ्य के लिए बेहतर है। प्रतीश यादव बताते हैं कि मटके का पानी पीने से कोई नुकसान नहीं होता। डॉक्टर भी मटके के पानी की सलाह दे रहे हैं। यह चेहरे पर निखार लाता है और एसिडिटी की समस्या भी नहीं होती। साथ ही यह हृदय के लिए भी लाभदायक है।

बाजार में मिट्टी और बालूरेती के छोटे मटके 100 रुपए से शुरू होते हैं, जबकि बड़े मटके 300 रुपए तक के हैं। गुजराती कैन और बोतल की कीमत 250 रुपए से शुरू होती है। आज भी कई घरों में फ्रिज होने के बावजूद लोग गर्मी के मौसम में मटके का पानी पीना पसंद करते हैं।

राहत आयुक्त की आठ विभागाध्यक्षों को चिट्ठी

आपदा राहत के नाम पर कितनी राशि खर्च की, कितनी सरेंडर की, पूरा ब्यौरा मांगा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में ओलावृष्टि, बाढ़, अकाल और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति से निपटने के लिए आठ विभागों की खर्च की गई राशि का ब्योरा राहत आयुक्त ने मांगा है। उन्होंने यह जानकारी अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और विभागाध्यक्षों से तलब की है।

साथ ही यह भी पूछा गया है कि उन्हें आवंटित की गई राशि में से कितनी राशि खर्च नहीं हो सकी और सरेंडर की गई है। राहत आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि हर योजना में खर्च की गई राशि का अलग-अलग विवरण दिया जाए। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव , नर्मदा घाटी विकास, गृह विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक सेवा प्रबंधन विभाग और सचिव, गृह एवं समन्वयक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को इस संबंध में पत्र लिखा गया है। यह पत्र राहत आयुक्त कार्यालय के संयुक्त संचालक द्वारा जारी किया गया है।

खर्च-सरेंडर की राशि की जानकारी देना होगा- पत्र में कहा गया है कि 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि में संबंधित विभागों को राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा कितनी राशि ट्रांसफर की गई, इस राशि में से कितनी राशि का उपयोग कार्यों में किया गया और कितनी राशि सरेंडर की गई, इसकी जानकारी दी जाए।

साथ ही प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट) प्रस्तुत करने को कहा गया है।बताया जा रहा है कि यह राशि राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा मिटिगेशन फंड, आपदा से बचाव की तैयारी और कैपेसिटी बिल्डिंग जैसे कार्यों के लिए उपयोग की जा सकती है।

इन अधिकारियों से मांगी गई जानकारी-राहत आयुक्त और प्रमुख सचिव, राजस्व कार्यालय द्वारा यह जानकारी जिन अधिकारियों से सीधे मांगी गई है, उनमें शामिल हैं-

- महानिदेशक, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा (आपदा प्रबंधन)
- आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग
- आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं
- कार्यपालन निदेशक, राज्य लोक सेवा अभिकरण
- प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा